दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 89 | ग्वालियर, मंगलवार 18 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

विकराल हुआ ताउते तूफान

ठप हुई मुंबई, गोवा में तबाही, अब गुजरात की ओर बढ़ रहा खतरा

मुंबई में रेल-हवाई सेवाओं पर असर, टीकाकरण रोका

तूफान के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर सभी ऑपरेशन बंद रहेंगे

दर्जनभर लोगों की मौत, हजारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

मुंबई/भोपाल ■ ब्यूरो

देश के दक्षिण पश्चिम राज्यों पर चक्रवाती तूफान ताउते का साया मंडरा रहा है। केरल, कर्नाटक और गोवा में तबाही मचाने के बाद चक्रवाती तूफान का असर महाराष्ट्र में भी देखने को मिल रहा है। मुंबई में तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला जारी है। चक्रवाती तूफान के अलर्ट के बीच बीएमसी ने मुंबई में बांद्रा-वर्ली सी लिंक को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा लोगों से घरों में रहने की अपील की जा रही है। अलग-अलग राज्यों में अब तक तूफान से प्रभावित इलाकों में दो दर्जन लोगों की मौत हो गई है जबकि कई सौ पेड़ गिरे हैं। साथ ही घरों को भी नुकसान पहुंचा है। मुंबई-पुणे में भी घर-मकानों को क्षति पहुंची है। चक्रवाती तूफान अब गुजरात की तरफ बढ़ रहा है। तूफान की आहट के साथ गुजरात के तटीय इलाके में आज और कल भारी बारिश की आशंका है। आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 50 टीमें तैनात की गई हैं. मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान तौकते 17 मई की शाम या 18 मई को गुजरात के समुद्री तट से टकरा सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि ये तूफान और भी खतरनाक हो सकता है। 18 मई की सुबह तक चक्रवात तौकते पोरबंदर और महुवा के बीच से गुजरात तट को पार कर सकता है। गोवा में भी तूफान ने कहर बरपाया है. अलग-अलग हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई है। एक हादसे में बाइक सवार पर बिजली का पोल गिरा जबकि दूसरे हादसे में पेड़ गिरने से एक शख्स की मौत हुई है। गोवा में तूफान की वजह से आज सभी उड़ानें रद्द हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के मुताबिक तूफान में 100 घर बुरी तरह तबाह हुए हैं। तूफान की वजह से करीब 500 पेड़ गिरने से जगह-जगह पर रास्ते बंद पड़े हैं।

गुजरात के इन इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने कहा कि ताउते के उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आज शाम गुजरात तट तक पहुंचने की संभावना है। रात 8 से 11 बजे के बीच तूफान पोरबंदर और महुवा (भावनगर जिला) के बीच बहुत विकराल रूप में पार हो सकता है। इस दौरान 155-165 किमी प्रति घंटे से लेकर 185 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। सौराष्ट्र के जिलों जैसे गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, जूनागढ़, बोटड और दीव में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं गुजरात क्षेत्र के जिलों में अर्थात् वलसाड, नवसारी और दमन, दादरा नगर हवेली में भी भारी बारिश हो सकती है।

मुंबई, उत्तरी कोकण, ठाणे और पालघर में भारी बारिश

मौसम विभाग की माने तो सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई, उत्तरी कोकण, ठाणे और पालघर के हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। इस तूफान के उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और 17 मई की शाम तक गुजरात तट पर पहुंचने की संभावना है।

विकराल चक्रवाती तूफान में बदला ताउते

मौसम विभाग के अनुसार तूफान ताउते विकराल चक्रवाती तूफान में बदल गया है। तूफान ने सोमवार को तड़के विकराल रूप धारण कर लिया। विभाग ने पहले इसके विकराल रूप लेने का कोई अनुमान नहीं लगाया था। पिछले छह घंटों के दौरान लगभग 20 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और अब यह विकराल चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। इसके कारण अब 180-190 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, जिसके 210 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने का अनुमान है। आईएमडी ने हालांकि कहा कि गुजरात तट पर पहुंचने पर इसकी विकरालता कम होगी।

चक्रवात केरल तट से आगे बढ़ा

तूफान के कारण कर्नाटक में तटीय जिलों में चार लोगों की मौत हो गई और 73 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए। भारी बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ जिले में लगभग 120 घर ढह गए। वहीं, केरल में इस चक्रवात की वजह से दो लोगों की मौत हो गई। कोझिकोड से समुद्र में गए 15 मछुआरे लापता हो गए। आईएमडी के अधिकारियों के अनुसार, चक्रवात केरल तट से आगे बढ़ गया है।

ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित

ट्रेन की आवाजाही के बारे में बताते हुए, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने कहा कि यात्रियों की संरक्षा और ट्रेन संचालन में सुरक्षा के मद्देनजर एहतियात के तौर पर कई ट्रेनों को रद्द और शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। जनता की जानकारी के लिए स्टेशनों पर ट्रेन अपडेट के बारे में लगातार घोषणाएं की जाएंगी। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों और मीडिया अपडेट के माध्यम से समय-समय पर ट्रेनों के नियमन/ निरस्तीकरण/अल्प-टर्मिनेशन/डायवर्सन आदि के संबंध में विस्तृत अपडेट जारी किए जाएंगे।

नारदा केस में ममता के मंत्री और विधायक गिरफ्तार

सीबीआई दफ्तर पहुंची मुख्यमंत्री ने कहा- मुझे भी करें गिरफ्तार

कोलकाता(ए.)। बंगाल के नारदा केस में एक बार फिर सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। जांच एजेंसी ने सोमवार को कई जगह छापे मारे। इसके बाद ममता सरकार में मंत्री फिरहाद हाकिम, सुब्रत मुखर्जी, विधायक मदन मित्रा और पूर्व मेयर शोवन चटर्जी से पूछताछ शुरू की। पूछताछ के बाद सभी को अरेस्ट कर लिया गया। अब इन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई कोर्ट से इन चारों नेताओं की कस्टडी मांगेगी। इस कार्रवाई के दौरान एक बार फिर केंद्रीय मंत्री और बंगाल सरकार के बीच तनातनी दिखी। अपने मंत्रियों से पूछताछ के दौरान ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीबीआई के दफ्तर पहुंचीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने एजेंसी से कहा कि आप मुझे भी गिरफ्तार करिए। उनके वकील ने कहा कि बिना नोटिस के मंत्रियों और विधायक को अरेस्ट नहीं किया जा सकता है। इससे पहले सीबीआई की टीम सोमवार सुबह ही फिरहाद हकीम के घर पहुंची थी। थोड़ी देर की तलाशी के बाद सीबीआई उन्हें अपने साथ ले जाने लगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे नारदा घोटाले में गिरफ्तार किया जा रहा है। इसके बाद सीबीआई सुब्रत मुखर्जी और मदन मित्रा को भी लेकर सीबीआई दफ्तर पहुंची। इसके अलावा पूर्व भाजपा नेता सोवन चटर्जी के घर पर भी छापेमारी की गई। सोवन ने चुनाव से पहले तृणमूल छोड़कर भाजपा जॉइन की थी। हालांकि, विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बाद उन्होंने भाजपा भी छोड़ दी थी।

जरा बचके

मंत्रीजी के रागात्मक होने के चर्चे हर जुबान पे...

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के 'खासुलखास' और शिवराज सरकार में मंत्री की ग्वालियर संभाग में इन दिनों खूब चर्चा हो रही है...चर्चा इसलिए कि, मंत्रीजी इन दिनों बेहद रंगीन मिजाज हो रहे हैं...इस खबरची को मंत्रीजी के एक चमचे ने बताया कि, मंत्रीजी के लिए यह 'रागात्मकता' नई बात नहीं है...यह तो उनके स्वभाव में तब से है, जब वो कांग्रेस के सिर्फ मामूली कार्यकर्ता हुआ करते थे...और अब तो वे राज्य के मंत्री हैं...खबरची को चमचे ने बताया कि इन मंत्रीजी की 'इश्क मिजाजी' एक किस्सा अब से बीस साल पहले भी खूब चर्चित हुआ था, जब मंत्रीजी जवां थे...तब उन्होंने अपनी 'जीनत' को बतौर निशानी कहो या तोहफे में भोपाल में शानदार मकान भी दिलवाया था...खबरची को पता चला है कि, श्रीमंत के दरबारी इस मंत्री की 'रागात्मक' होने की खबरें प्रदेश के मुखिया तक भी पहुंची हैंज्और मुखिया ने मंत्रीजी के 'रागात्मकता' को गंभीरता से लिया...तथा इस मामले में श्रीमंत से बात की है कि, आखिर इस मामले क्या करें...क्योंकि मंत्रीजी की इस 'रागात्मक चरित्र' से कहीं न कहीं किरकिरी सरकार भी होती है...अब आगे देखिए मंत्रीजी की 'रागात्मकता' और परवान चढ़ती है...या उनकी 'कुर्सी' कुर्बान होती है...?

पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम उद्धव ठाकरे से की बात

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित चक्रवात तौकते आखिरकार महाराष्ट्र के तट पर पहुंच गया, जिससे कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए और अन्य मामूली क्षति हुई, लेकिन किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. गोवा के बाद, चक्रवात ने सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिलों को निशाना बनाया, क्योंकि यह गुजरात के दक्षिण तट की ओर चक्कर लगाते हुए रायगढ़, मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों की ओर बढ़ा, आईएमडी के अनुसार, मंगलवार तक इसके लैंडफॉल बनाने की उम्मीद है. चक्रवात तूफान तौकते की स्थिति को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सीए उद्धव ठाकरे से बात की है. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने चक्रवात की स्थिति की निगरानी के लिए शीर्ष अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को राज्य की तैयारियों से भी अवगत कराया. ठाकरे ने शाह को बताया, पूरे तटीय क्षेत्र के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है. सोमवार की सुबह, चक्रवात के रायगढ़, मुंबई तटों से गुजरने और फिर ठाणे, पालघर पर जाने की संभावना है. जिसे सामूहिक रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र के रूप में जाना जाता है. उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने कोंकण में अपने शिविर से कहा, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी जिलों में चली तेज हवाओं में कई पेड़ उखड़ गए. इस क्षेत्र में आम, काजू, नारियल, कोकम और अन्य उपज की फसलों और बागानों को व्यापक नुकसान की खबरें हैं. हमने स्थानीय प्रशासन को पंचनामा तुरंत संचालन करने का निर्देश दिया है. राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार ने कहा कि कोंकण तट को चक्रवात तौकते के हमले के लिए तैयार किया गया है और वह वहां की स्थिति पर भी नजर रख रहे हैं. उन्होंने कहा, ÷सीएम ठाकरे ने मामले का जायजा लिया है और मैंने उन्हें राहत कार्यों से अवगत कराया है. हम इन क्षेत्रों में लोगों के लिए बड़े आश्रय स्थल स्थापित कर रहे हैं जहां जरूरत पड़ने पर उन्हें स्थानांतरित किया जा सकता है. नगर आयुक्त आई.एस. चहल ने कहा कि मुंबई में, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सोमवार से शुरू होने वाले 3 दिवसीय टीकाकरण अभियान को रद्द कर दिया है और कार्यक्रम को अब एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है. एक एहतियाती कदम में, भारतीय तटरक्षक बल ने लगभग 5,600 नावों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की, जो अरब सागर में मछली पकड़ने के लिए गई थीं, इसके अलावा चक्रवात पथ के आसपास के क्षेत्र में 335 व्यापारी जहाजों को फिर से रूट किया गया है.

आपदा के समय धैर्य हमारा सबसे बड़ा मित्र होता है : सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना काल में विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए कोरोना योद्धाओं की प्रशंसा की. सीएम योगी ने कहा कि जब कोरोना काल में जब जनता व हेल्थ वर्कर्स के मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता थी, तब कुछ लोगों ने उनके मनोबल को गिराने व भय का वातावरण उत्पन्न करने की चेष्टा की. लेकिन सभी लोगों के सहयोग से आज स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. यह प्रसन्नता का विषय है कि मुजफ्फरनगर जनपद में भी ऑक्सीजन के 6 नए प्लांट लगाए जा रहे हैं. यहां पर पहले से 4 प्लांट थे, अब 6 नए प्लांट प्रस्तावित किए गए हैं जिनको उत्तर प्रदेश सरकार यहां लगाने जा रही है. यह इस क्षेत्र में ऑक्सीजन की आपूर्ति में अत्यधिक सहायक सिद्ध होंगे. इसके पहले रविवार को यूपी के सीएम योगी ने कोविड 19 से रिकवर होने वाले मरीजों का मुफ्त इलाज करवाने का एलान किया है. लॉकडाउन के प्रभाव को देखते हुए योगी सरकार ने कोरोना कर्फ्यू को एक हफ्ते के लिए और बढ़ा दिया है. अब पूरे प्रदेश में 24 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा. इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की है कि राज्य में ऐसे मरीजों का इलाज मुफ्त किया जाएगा. सरकार के इस आदेश का लाभ उन लोगों को मिलेगा जो कोविड के संक्रमण से उबर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें कुछ परेशानियां हैं. मुख्यमंत्री ने कहा है कि जो कोविड मरीज निगेटिव हो गए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें देखभाल की जरूरत है, तो उन्हें वही चिकित्सा सुविधा दी जाएगी, जो कोविड रोगियों को दी जा रही है. उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में कई मरीज जो कोविड से उबर चुके हैं, उन्हें अभी भी समय-समय पर निगरानी और चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है.

ऑक्सीजन एक्सप्रेस से अब तक कुल इतने राज्यों को पहुंचाई गई ऑक्सीजन

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में आने वाली बाधाओं पर काबू पाने और नए समाधान तलाशने के लिए भारतीय रेलवे देशभर के विभिन्न राज्यों में तरल चिकित्सा ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाकर लोगों को राहत देने का काम कर रहा है. भारतीय रेलवे अब तक देश के विभिन्न राज्यों में 590 टैंकरों के माध्यम से 9440 मीट्रिक टन से अधिक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचा चुका है. ध्यान देने वाली बात यह है कि अब तक 150 ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन अपनी यात्रा पूरी कर चुकी हैं और इससे देश के कई राज्यों को काफी राहत मिली है. 55 टैंकर्स में 970 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन लेकर 12 ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन ने सफर तय किया. केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों को ऑक्सीजन आपूर्ति के मामले में बड़ी राहत मिली है, क्योंकि कई ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों ने इन राज्यों में बीते कल और आज काफी मात्रा में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की है. संयोग से, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र ने 5000 मीट्रिक टन से अधिक ऑक्सीजन की डिलीवरी को पार कर लिया है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को कोरोना गाइड लाइन का पढ़ाया पाठ

मऊरानीपुर । मऊरानीपुर एसडीएम अंकुर श्रीवास्तव कोविड 19 की घातक बीमारी को लेकर लगातार ग्रामों में भ्रमण कर क्षेत्र वासियों को कोरोना वायरस की फैली महामारी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को कोरोना गाइड लाइन का पाठ पढ़ा रहे है। रविवार को ग्राम पंचायत पठा में उप जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में, प्रधान शुभम् बैध की अध्यक्षता में तथा सचिव इन्द्र विजय गौतम के संचालन में निगरानी सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोविड 19 की बीमारी से बचाव को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों की बुखार, खाँसी, कोरोना की जांच की। तथा गांव के लोगों को साफ सफाई से रहने, दो गज की दूरी ,मास्क लगाना जरूरी, साबुन से बार बार हाथ धोना, बिना किसी कार्य के घर से बाहर नही निकलना और चल रहे लॉकडाउन का पालन करने की नसीहत दी। पूरे गाँव में प्रचार वाहन के माध्यम से ग्रामवासियों को कोरोना वायरस की बढ़ती बीमारी से सजक रहकर जागरूक रहने के साथ सेनेटाइज किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान शुभम् वैध, आशीष कौशिक, ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रविजय गौतम, स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा अनेक ग्रामीणजन मौजूद रहे।

ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा रोष

मऊरानीपुर । देश में चल रहे कोरोना काल में भी विधुत की कटौती रोस्टर के अलावा होने से भण्डरा बिजली उप केंद्र से संबंधित ग्रामों के क्षेत्रवासी खासे परेशान होने लगे है। बिजली विभाग के अधिकारियों ,कमचारियों, संविदाकर्मियों, केंद्र ओपरेटरों से विधुत संबंधी समास्या को अवगत कराने पर भी उपभोक्ताओं के फोन रिसीव नही किए जा रहे है। जिससे ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। भण्डरा विधुत उप केंद्र से क्षेत्र के ग्रामों में बिजली की सप्लाई दी जाती है। लेकिन विभाग की लचर कार्यप्रणाली व्यवस्था के चलते आये दिन बिजली गायब रहने लगी है। जिससे ग्रामीण पड़ रही भीषण गर्मी में तथा कोरोना वायरस की फैली बीमारी के समय खासे परेशान होने लगे है। 15 मई शनिवार की रात भर एवं रविवार को दिन में बिजली नहीं आने से ग्रामीणजन पीने के पानी के लिए परेशान रहे। इस संबंध में एसडीओ ग्रामीण, अवर अभियंता, संविदा लाइनमेंन, विधुत उप केंद्र पर तैनात आपरेटर्स से बिजली संबंधी समस्या की जानकारी जाननी चाही तो किसी भी जिम्मेदार ने उपभोक्ताओं के फोन रिसीव नहीं किए। क्षेत्रवासियों ने दिनों दिन पटरी से उतरी जा रही बिजली व्यवस्था को सुचारू रूप से सही रखे जाने की मांग विभाग के उच्चाधिकारियों से की है।

विद्युत कर्मचारी की मौत पर विभाग ने दी श्रद्धांजलि

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद-मध्य प्रदेश विद्युत वितरण केंद्र गोहद में पदस्थ प्रमोद बाथम जो कि शांत स्वभाव के सरल व्यक्ति थे इनकी विगत दिनों से तबीयत खराब रहने से ग्वालियर में इलाज चल रहा था जो इलाज के दौरान दिनांक 15 मई को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिए गए थे जिसके बाद विभाग के साथ-साथ आम लोगों में मिलने जुलने वालों में भी शोक की लहर दौड़ गई थी जिसके लिए सोमवार को विद्युत विभाग ऑफिस में सभी कर्मचारियों के साथ 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्णता पालन किया गया इस श्रद्धांजलि सभा में प्रबंधक शिव चौबे सहायक प्रबंधक गौरव शाक्य सहायक प्रबंधक मुकेश चंद्रगुप्त कश्मीर यादव सफीक खान सफदर खान शिव स्वरूप श्रीवास्तव संजय गुप्ता, साकेत ,विजय तिवारी सहित समस्त स्टाफ ने शोक संवेदना व्यक्त की।

लॉकडाउन के आदेशानुसार रानीपुर में सब्जी मंडी सुबह से लगाने की बजाह शाम को लगने पर पहुँची पुलिस, सख्त हिदायत दी

पुष्पांजली टुडे

जानकारी के अनुसार लॉकडाउन के आदेश अनुसार आवश्यक सेवाओं में शामिल सब्जी मंडी को सुबह के समय खोलने का आदेश है। लेकिन आज कई दिनों बाद मऊरानीपुर तहसील अंतर्गत आने बाले कस्बा रानीपुर में शाम के समय अचानक से सब्जी मंडी लग गई। सब्जी मंडी में बड़ी संख्या में लोग सब्जी लेने के लिए पहुंच गए। जैसे ही पुलिस को सब्जी मंडी लगने की सूचना प्राप्त हुई मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए बताया कि सब्जी मंडी लगने का समय केवल सुबह का है। शाम को किसी भी सूरत में मंडी नहीं लगाई जाएगी। आप लोग जल्द से जल्द मंडी को खाली करें और अपने घर जाएं और केवल सुबह के समय ही सब्जी मंडी में लगाएं।

कस्बा रानीपुर में जल्द ही लगेगा ऑक्सीजन प्लांट, क्षेत्र के लोगों को होगा फायदा, उपजिलाधिकारी ने दी जानकारी

जानकारी के अनुसार मऊरानीपुर उपजिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने बताया की कस्बा रानीपुर में ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने के भरकस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा की डायमंड कंपनी की ओर से ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाना है। जिसके लिए जमीन की खोज की जा रही है। उनका पूरा प्रयास है कि कस्बा रानीपुर में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हो। जिसके लिए रानीपुर के आसपास जमीन की खोज की जा रही है। रानीपुर में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हो जाने से यहां एवं क्षेत्र में ऑक्सीजन की किल्लत दूर हो जाएगी।

लॉकडाउन को उल्लंघन करने वाले 3 लोगों पर चालानी कार्रवाई एक दुकान की सील्ड

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद -कोरोना संक्रमण के चलते कलेक्टर द्वारा लॉकडाउन को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है जिसमें कई लोगों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान खोलकर दुकानदारी शुरू कर दी थी कुछ दुकानदार शटर बंद करके ग्राहकों को अंदर सामान दे रहे थे पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा बाजार में राउंड लिया गया जहां कई लोग अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए मौका पर मुस्ताक विंडो कूलर की दुकान खुली मिली जहां टीम ने दुकान शील्ड की गई वहीं राठौर किराना जेल रोड, कन्हैयालाल पुत्र राम चरण गुप्ता गंज बाजार ,विवेक कुमार जगदीश प्रसाद बंसल सदर बाजार पर कुल ?2000 की चालानी कार्रवाई की गई इस कार्यवाही में मुख्य रूप से थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह कुशवाह उप निरीक्षक आशीष यादव पटवारी महेंद्र भदौरिया,अनुज शर्मा संदीप जैन सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

315 बोर कारतूस सहित आरोपियों को किया गिरफ्तार

दतिया। पुलिस की सख्त नजर अपराधियों को नहीं पनपने देगी चप्पे-चप्पे पर जो है दतिया पुलिस बताया जा रहा है कि आज 17 5 2021 की शाम को कोरोना कर्फ्यू के चलते चेकिंग पॉइंट पर एक अल्टो कार में जब यातायात प्रभारी रोककर उनसे पूछताछ की तो उन पर शक होने के कारण उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास 315 बोर का एक कट्टा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए यातायात प्रभारी ने दतिया सिटी कोतवाली के हवाले किया। इस कार्रवाई के मुख्य भूमिका रही यातायात प्रभारी होतम सिंह बघेल और आरक्षक संजीव दौरे आरक्षक चालक सालिम खान की मुख्य भूमिका रही।

हाईकोर्ट की मुख्य बैंच के आदेश

भिंड में ऑक्सीजन प्लांट तुरंत शुरू किया जाए

भिंड। रेमडिसिविर इंजेक्शन की अव्यवस्था की शिकायतें पूरे प्रदेश से आ रहीं हैं। इस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। शासन इसमें आवश्यक कदम उठाए। इस अव्यवस्था की तुरंत सही किया जाए। मरीज को इंजेक्शन लगाने के लिए हॉस्पिटल से जो लिस्ट जारी होती है, वह संबंधित मरीज को ही लगाई जाए और इसमें मरीज के परिजन के हस्ताक्षर भी लिये जाएं। यह आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर मुख्य पीठ की डबल बेंच ने दिये। कोरोना पीड़ित मरीजों के लिये रेमडेसीवर इंजेक्शन की अव्यवस्था व भिंड में ऑक्सीजन प्लांट के निर्माण को लेकर अलग-अलग याचिकाएं दायर की गईं।

रेमडिसिविर इंजेक्शन की व्यवस्था सही करें महाधिवक्ता
अधिवक्ता आरके जोशी ने लगाईं थी दो जनहित याचिकाएं

अधिवक्ता आरके जोशी ने दायर याचिका में कहा कि भिंड जिले में ऑक्सीजन प्लांट को लेकर लेटलतीफी की जा रही है। ऑक्सीजन की कमी के कारण लोगों की जान जा रही है। अतः जल्द से जल्द ऑक्सीजन प्लांट का कार्य प्रारंभ किया जाए। हाईकोर्ट की मुख्यपीठ ने सुनवाई करते हुये भिंड जिला कलेक्टर को निर्देशित किया कि ऑक्सीजन प्लांट जल्द से जल्द चालू किया जाए। साथ ही ग्वालियर जिले में शासन के द्वारा रेमडिसेवर इंजेक्शन की व्यवस्था दुरुस्त की जाए। कोर्ट ने कोरोना काल में शासन की अव्यस्था को लेकर मरीजों को हो रही परेशानी संबंधी लगभग 30 याचिकाओं की सुनवाई एक साथ कीं। साथ ही एक अन्य याचिका की सुनवाई करते हुये कहा कि शिवपुर भिंड दतिया में सिटी स्कैन लगाए जाएं। और शासन सात दिवस में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी ने जप्त की सागौन के चिरान

वन परिक्षेत्र अधिकारी शिशुपाल अहिरवार ने की जप्ती कार्रवाई

रितेश कटरे ब्युरो चीफ

बालाघाट। जनपद पंचयत लांजी अंतर्गत ग्राम बोर्डी में 17 मई को वन विभाग के अमले के द्वारा अवैध रूप से सागौन के चिरान जप्त कर 1 आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की है। उक्त मामले के संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी शिशुपाल अहिरवार पश्चिम लांजी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बोर्डी में एक व्यक्ति के द्वारा अपने घर में अवैध रूप से सागौन के लट्ठ की चिरान बनाई जा रही थी। मामले को संज्ञान में लेते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी शिशुपाल अहिरवार के द्वारा जांच टीम बनाकर ग्राम बोर्डी भेजी गई जहां पूरन दास पिता महादास लोधी के घर में अवैध रूप से सागौन की चिरान के लिए खोजबीन करने पर पूरनदास के घर में मौके से सागौन लकड़ी की चिरान करते हुए कार्य होते पाया गया जिसके पश्चात वन अमले के द्वारा आरोपी के

घर से एक नग आरा, 34 नग सागौन चिरान के पटिया तथा तीन सागौन के लट्ठे के साथ लगभग 0.424 घन मीटर सागौन को जप्त किया गया। जप्त की गई सागौन कि बाजारू कीमत लगभग 25 हजार रूपए आंकी गई है। उक्त जप्त सागौन की लकड़ी एवं चिरान सामग्री को काष्ठा घाट डिपो लांजी मे परिवहन कर लाया गया। इसके साथ ही वन विभाग के द्वारा आरोपी पूरनलाल के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं कास्ट चिरान अधिनियम विनियम 1984 की धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 16139/11 दिनांक 17/05/2021 दर्ज किया गया। वन विभाग की उक्त कार्यवाही मे वन परीक्षित पश्चिम लांजी का समस्त वन अमला उपस्थित रहा जिसमें उपवनक्षेत्रपाल दिलीप डोंगरे, वनपाल सुखचंद्र भलावी, रविंद्र सोनवानी, करीम खान, योगराज पटले, मयूर सडेल, विशाल आसटकर, मनोज मरकाम, बुद्ध वर्धन, कन्हैयालाल गायकवाड, अजय, अमरनाथ नंदा आदि के साथ वन समिति के सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे।

मेडिकल एशोसिएशन लांजी ने पत्रकारों को बांटी मेडिकल किट

बालाघाट / कोरोना महामारी के इस संकट काल मे लांजी मेडिकल एशोसिऐशन के द्वारा क्षेत्र के पत्रकारो के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुये सर्वत्र खबरे हम तक पंहुचाते है, जिसके तहत पत्रकार साथी गणो के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुये हमारे द्वारा मेडिकल किट तैयार कर जिसमे

श्रमजीवी पत्रकार संघ लांजी को मेडिकल किट प्रदान की गई है। मेडिकल एशोसिऐशन के ब्लॉक प्रमुख नासीर खान ने कहा कि पत्रकार साथी गण अपनी जान जोखिमो के डाल कर सैनेटाईजर, मास्क सहित कोरोना महामारी से लडने हेतु आवश्यक दवाईयां, जीवनरक्षी दवाईयां, मल्टीविटामिन दवाईयां प्रदान की गई है। उक्त किट हिन्द मेडिकल लांजी संचालक नासीर खान ब्लॉक प्रमुख लांजी, दुर्गा मेडिकल भानेगांव, अंबिका मेडिकल भानेगांव, मेहरबान मेडिकल लांजी, ज्योति मेडिकल लांजी, चित्रा मेडिकल लांजी, नेहा मेडिकल लांजी, मातोश्री मेडिकल लांजी, गीत मेडिकल लांजी, बिसेन मेडिकल लांजी एवं समस्त लांजी क्षेत्र मे संचालित मेडिकल एशोसिऐशन की ओर से पत्रकारो को मेडिकल किट प्रदान की गई है। इस दौरान श्रमजीवी पत्रकार संघ लांजी के अध्यक्ष मयूर सुले, दिनेश रामटेक्कर, फणीन्द्र दुरूगकर, संजय टेंभरे, रितेश कटरे, रूपेश रावते, रामानुज तिडके, आयुष रामटेक्कर, सफिक खान, यशवंत लिल्हारे, खेमराज बनाफरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पत्रकारों ने मेडिकल एशोसिऐशन का जताया आभार-श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यों द्वारा मेडिकल एशोसिऐशन लांजी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि कोरोना महामारी के इस संकट काल मे एशोसिऐशन के द्वारा पत्रकार संघ के लिये सोचा गया तथा वर्तमान समय मे आवश्यक एवं जीवनरक्षक दवाईयो, सैनेटाईजर, मास्क आदि प्रदान किया गया है इसके लिए श्रमजीवी पत्रकार संघ लांजी के समस्त सदस्यों ने मेडिकल एशोसिऐशन लांजी का आभार व्यक्त किया।

घर घर बन रहे आयुष्मान कार्ड

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। मध्यप्रदेश सरकार के आदेशानुसार घर घर बनेंगे आयुष्मान कार्ड के अनुसार वार्ड न. 3 में भी आयुष्मान कार्ड बनना शुरू हो गये।

घनेंद्र नायक बरौरी की अध्यक्षता में शोक सभा

मऊरानीपुर। सुजीत कंप्यूटर सेंटर मऊरानीपुर में घनेंद्र नायक बरौरी की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। जिसमें ग्राम रूपाधमना निवासी शत्रुघ्न सिंह उर्फ पप्पू यादव का आकस्मिक निधन हो जाने पर महेशचंद्र मोर, सुरेन्द्र द्विवेदी, सुमनजीत नायक, संजय द्विवेदी, अतुल मोर, अखिलेश शर्मा, महेंद्र सिंह सोलंकी, भीकाराम कुशवाहा, सुरेंद्र यादव आदि ने शोक व्यक्त किया। इसी क्रम में जगतराज रिछारिया देवरीघाट की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। जिसमें भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेता ग्राम भण्डरा निवासी ओमप्रकाश पटेल उर्फ लल्लू दादा का निधन हो जाने पर महेंद्र पाठक, सुभाष मौर्य, गनेश सोनी, राहुल सिंह सोलंकी, आनन्द सिंह परिहार, मुन्नालाल कुशवाहा, राजेंद्र सिंह चौहान, ज्ञानेश कुशवाहा, सुरेंद्र कुमार, अक्षय कुशवाहा, शेर सिंह, लोकेंद्र सिंह, चंद्रशेखर अडजरिया, रमेश श्रीवास, प्रदीप पटेल आदि ने शोक व्यक्त किया।

वार्ड न. 23 के आंगनबाडी केंद्र पर हो रहा वार्ड वासियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

श्योपुर। नगरपालिका क्षेत्र में आने वाले हर वार्ड में निःशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण किया जा रहा है इसी प्रकार वार्ड न. 23ड्ड में भी नगरपालिका सिविल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है वार्ड न. 23ड्ड की आंगनबाडी कार्यकर्तृता प्रियंका गुप्ता ने बताया की वार्ड में किसी को कोई भी परेशानी हो वो आंगनबाडी केंद्र पर आकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा सकता है जैसे सर्दी जुकाम, बुखार, खांसी, आदि और दवा निःशुल्क प्राप्त कर सकता है नगरपालिका प्रशासन द्वारा श्योपुर के हर वार्ड में निःशुल्क सेवा आंगनबाडी केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जा रही है यदि वार्ड में किसी भी व्यक्ति को इस प्रकार के लक्षण दिखाई दे तो अपने नजदीकी आंगनबाडी केंद्र पर स्वास्थ्य परीक्षण कराकर दवा प्राप्त कर सकता है जिससे आप कोरोना संक्रमण वायरस से बच सके।

टीकाकारण केन्द्र पर नर्सिंग स्टाप को मास्क, फेस शील्ड ग्लव्स, सेनेटाइजर का वितरण किया

श्योपुर। नगर में आज नगरपालिका मैरिज हाल बगवाज रोड पर टीकाकरण केन्द्र पर नर्सिंग स्टाप व पुलिस स्टाप को मास्क सेनेटाइजर, ग्लव्स, फेस शील्ड का वितरण किया। सेवा भारती एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा संक्रमण से बचाव हेतु इस सामग्री का वितरण किया। इन अवसर पर उपस्थित स्टाप ने सेवा भारती एवम संघ के कार्यकर्ताओ धन्यवाद दिया। इस अवसर पर कोविड सहायता केन्द्र के समन्वयक रामअवतार शर्मा, युवा समन्वयक कौशल शर्मा, मंयक शुक्ला, रवि हरदेनिया उपस्थित रहे।

पुलिस ने चोरी की गई मोटरसाईकिल सहित चोर को गिरफ्तार किया

झांसी। जिले के अंतर्गत आने वाले थाना टहरौली में पुलिस ने दो दिन के भीतर टहरौली बिजना रोड से चोरी की गई मोटरसाईकिल सहित चोर को गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन पूर्व थाना टहरौली में सूचना दी गई थी कि बिजना रोड से एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। इसके बाद पुलिस सख्ती से चोर की तलाश कर रही थी और संदिग्धों से पूंछताछ कर रही थी। टहरौली पुलिस लुहरगांव प्रतीक्षालय चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी तभी एक व्यक्ति चिरगांव की तरफ से मोटरसाईकिल लेकर आया। जिसे रोकने पर वह भागने लगा तब पुलिस ने उसे धर दबोचा। पूंछताछ ने व्यक्ति ने अपना नाम सुरेंद्र अहिरवार पुत्र रामदीन निवासी प्यावल थाना सरसई जिला दतिया बताया। उसके पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल एचएफडीलक्स यूपी 93 एएस 8088 बरामद की गई। उपरोक्त व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने 67/21 धारा 379 भारतीय दंड संहिता के तहत कार्यवाही की है। उसके खिलाफ धारा 411 भी लगाई गई है। गिरफ्तार करने बाली टीम में उपनिरीक्षक अमर सिंह, उपनिरीक्षक आशीष कुमार आदि शामिल रहे।

ताला बंदी के चलते ठप हुए सभी काम काज, लोगों के घरों में खाने पीने तक की चीजें भी उपलब्ध नहीं

पुष्पांजली टुडे

लाकडाऊन में मेहनत मजदूरी भी नहीं मिल रही हैं केसे हो परिवार का भरण पोषण भीमसेन तोमर थरा। शासन प्रशासन के द्वारा लॉकडाऊन तो लगा दिया जाता है लेकिन हम गरीब, मेहनत मजदूरी करके पैसा कमाकर अपने परिवार वालों का भरण पोषण करने का कार्य करते हैं। लेकिन अब न तो बाजार में कोई भी मेहनत मजदूरी का काम मिल रहा है ना ही गांव में अभी तक तो लोगों की फसल कट रही थी,जिसके चलते भूंसा ढोने , गेंहू कटने, कतरनें आदि खेती-बाड़ी में काम मिल जाता था जिससे घर में भरण पोषण का काम चलता था लेकिन अब वह भी पूर्ण हो चुका है। अब खाने पीने का सामान खरीदने और घर चलाने के लिए कहां से पैसा आए । जिससे खाद्य सामग्री खरीदी जा सके। मेरे पास तो खाद्य पात्रिता पर्ची भी नहीं है। जिससे खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न उपलब्ध हो सके। जैसा कि पीड़ित ने पत्रिका संवाददाता थरा से अपनी कहानी बताई । हरेंद्र रावत, पीड़ित लॉक डाउन । दूसरी कहानी है। गांव के मध्यम वर्गीय परिवार के सत्यपाल सिंह तोमर। उन्होंने कहा हरेंद्र रावत की पीड़ा भी असहनीय हैं। लेकिन वह तब भी मेहनत मजदूरी करके अपने आप, और परिवार का भरण-पोषण कर सकते हैं।

सबसे बड़ी विडंबना तो हम मध्यम वर्गीय किसान भाईयों और परिवार वालों की है। क्यो कि हम तो यहां रहकर मेहनत मजदूरी भी नहीं कर सकते हैं, और बाहर तो देश के हालात बहुत ही चिंताजनक है। जिससे मेरे दो भाई बाहर काम करके घर का खर्चा चलाते थे। लेकिन लॉकडाऊन के चलते पिछले साल से बाहर भी नहीं जा पाए हैं। अब यहीं रहकर यथा व्यथा करके कैसे भी घर का खर्चा चला पा रहे हैं। खेतों में कछवारी , लगातें है तो । उसमें भी लोकी, ककड़ी मंडी का एक निश्चित समय सीमा तय न होने से वहां भी अपनी सब्जी भाजी को औने-पौने दामों में बेच कर आनी पड़ती है। अब करें भी तो क्या करें। हम किसानों की चिंता किसको है। हम तो बस केवल वोट और मतदान के समय ही केवल चुनाव ही ऐंजेडे में शामिल किए जाते हैं। बाकी जाओ भाड़ में। सत्यपाल सिंह तोमर युवा किसान भाई थरा। इन जैसी जाने कितनी कहानियां और अनेकों परिवार की समस्या बन गया है लॉक डाउन। लोगों का कहना कि अब हम सब करें भी तो क्या करें। जहां एक ओर महामारी की चिंता है, वहीं दूसरी ओर भुखमरी से जूझने की, वहीं कहावत चरितार्थ हो रही है कि एक तरफ कुआं एक तरफ खाई, मरना दोनों तरफ तय है। इस मौके पर इस खबर को लिखते समय एक बार को मन बहुत ही व्यथित हो गया था। लोगों का एक ही कहना था कि कैसे भी भगवान इस समस्या का समाधान हो जाए और सब फिर से पहले जैसा, ठीक ठाक हो जाए।

स्वास्थ्य केंद्र बाली में कार्यरत डॉ. ललित चौधरी कोरोना काल में दिन रात मरीजों की सेवा कर बाली की जनता के लिए मसीहा बने

पुष्पांजली टुडे

पाली। कोरोना की दूसरी लहर वास्तव में खतरनाक रही काफी मरीजों को जान भी गंवानी पड़ी। परंतु बाली में डॉ. ललित चौधरी व उनकी साथ खडी रही चिकित्सा टीम के दिन-रात के अथक प्रयास से लगभग 95 मरीज ठीक हुए। बहुत कम मरीजों को बाली से बाहर ईलाज के लिए जाना पड़ा। ऐसी विकट परिस्थितियों में डॉ. ललित चौधरी ने अपनी जान की परवाह किए बिना रातभर 2-2बजे तक मरीजों को अस्पताल व घर पर देखना वास्तव में काबिले तारीफ है। ऐसा लगता है कि वास्तव में भगवान ने डॉक्टर साहब को इस संकट की घडी में बाली की जनता के लिए भगवान का अवतार देकर भेजा है।

विद्यार्थी परिषद लगी हुई है सेवा कार्य में निरंतर

पुष्पांजली टुडे

श्योपुर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला इकाई श्योपुर द्वारा आज शहर के वार्ड नंबर 13 में संक्रमित परिवारों के घरों के बाहर सेनीटाईजेशन आरोग्य अभियान के अंतर्गत परिषद लगातार सेवा कार्य में लगी हुई है अभाविप कार्यकर्ता इस महामारी के समय भी अपनी परवाह ना करते हुए सेवा कार्य में लगे हैं। विद्यार्थी परिषद के जिला सह संयोजक रवि समाधिया ने बताया कि पूरे जिले भर में वर्तमान में परिषद अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से सेवा कार्य में लगे हुए हैं जैसे कि संक्रमित परिवारों से संपर्क करना उन्हें सामग्री पहुंचाना और व्यक्ति के लिए वैक्सीन लगवाने हेतु अपील करना और महामारी से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं इस मौके पर जिला सह संयोजक रवि समाधिया ,प्रांत कार्यकारिणी सदस्य शिव कुमार राठौर का योगदान सराहनीय रहा है।

राष्ट्रीय आंचलिक संस्था' मे श्रीमती कमला सिन्हा सम्मान-2021 संपन्न हुआ

भारत की साहित्यिक संस्था राष्ट्रीय आंचलिक साहित्य संस्थान द्वारा श्रीमती कमला सिन्हा जी के स्मृति मे आयोजित अखिल भारतीय साहित्यिक प्रतियोगिता संपन्न हुआ ! इस कार्यक्रम को संस्था के राष्ट्रीय महासचिव रूपेश कुमार द्वारा आयोजित किया गया जो कार्यक्रम के रूपरेखा भी तैयार किये ! श्रीमती कमला सिन्हा÷ के प्रथम स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मे कमला जी के भतीजे रूपेश कुमार ने कहाँ की श्रीमती कमला सिन्हा एक धार्मिक, धर्मप्रयाण, एव समाजिक सरोकार से परिपूर्ण महिला थी ! इनके पति सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के अति महत्वपूर्ण पद आंतरिक लेखा निरीक्षक के पद से सेवा मुक्त हुए थे ! इनका पुरा जीवन आध्यात्मिकता मे गुजरा था ! लेकिन ईश्वर के आगे किसी की नही चलती है ! काल की कपाल ने एक झोखे मे नश्वर शरीर से अमर आत्मा को हम सभी से दूर कर दिया ! इस विशाल प्रतियोगिता मे पूरे भारत के सभी प्रांतों के एक से बढ़कर एक साहित्यकारों ने भाग लिया ! सभी की रचनाएँ काबिले तारीफ थी ! जिसमे गरिमा विनित भाटिया, अमरावती, महाराष्ट्र , डॉक्टर महताब अहमद आजाद , उत्तरप्रदेश , संजय भास्कर , हरियाणा , नरेश चन्द्र उनियाल, उत्तराखंड , नेतलाल प्रसाद यादव, झारखंड , मिथिलेश कुमार सिंह, वाराणसी , वीना अडवाणी, महाराष्ट्र , सीमा रानी मिश्रा , हरियाणा , प्रियंका जायसवाल , सिलीगुड़ी , ऋतु गर्ग, सिलीगुड़ी, बंगाल , कंचन वाष्णेय , दिल्ली , ज्योति भाष्कर %ज्योतिर्मय%, सहरसा , बिहार , प्रीति चौधरी %मनोरमा% , बुलंदनगर, उत्तर प्रदेश , डॉक्टर आशुतोष, हरियाणा , आशीष भारती, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश , भूपसिंह भारती, हरियाणा , सुधा बसोर , गाजियाबाद , रामेश्वर शांडिल्य , कल्पना भदौरिया %स्वप्रिल% , उत्तर प्रदेश , भाष्कर सिंह मणिक, कोंच, रवि रश्मि %अनुभूति%, मुंबई, अनीता त्रिपाठी अनुपम, कानपुर, उत्तर प्रदेश , उमा वैष्णव , सुरत , गुजरात, रीना मिश्रा, देवरिया , उत्तर प्रदेश , डॉक्टर नीलू समीर, मध्य प्रदेश , निशा गुप्ता , सिलीगुड़ी , सोनी केडिया, सिलीगुड़ी , वंशिका गुप्ता, सिलीगुड़ी , राजकुमार छापड़िया, महाराष्ट्र , वी अरुणा, कलकता , सुरेन्द्र नाथ सिंह, गाजीपुर , टी के पांडेय , दिल्ली, कवि तुलसी विश्वास, भीम कुमार, झारखंड , रूबी प्रसाद, सिलीगुड़ी, डॉक्टर विजय लक्ष्मी, काठगोदाम, आशा बंसल , सिलीगुड़ी, ऐडवोकेट रिंकी गुप्ता, सिलीगुड़ी , विजय कुमार, कंकेर , विशाल चतुर्वेदी %उमेश% , रमाकांत सोनी, राजस्थान , ऋचा कुशवाहा, गोपालगंज, बिहार , रमा बहेड, हैदराबाद , श्रीमती सरोज साव कमल, रायगढ़, छतीसगढ , डोमन निषाद डेविल, छतीसगढ से कुल 45 प्रतिभागी भाग लिए ! सभी सम्मानित प्रतिभागियो।

संक्रमण कम हुआ है यह संतोष की बात है लेकिन अभी रूकना नहीं है, मंजिल दूर है : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री ने जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों से किया वर्चुअल संवाद

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की दर प्रदेश में घटी है, यह संतोष की बात है। लेकिन मंजिल अभी दूर है, हमें अपने प्रयासों को रोकना नहीं है, बल्कि और गति के साथ आगे बढ़ना है। प्रदेश को कोरोना मुक्त बनाकर ही हम चैन की साँस लेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रविवार को ग्वालियर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के जिला, ब्लॉक, ग्राम और वार्ड स्तरीय क्राइसिस मेनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिये किल कोरोना-3 अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र के हर घर तक दल पहुँच रहा है और लोगों का परीक्षण कर उन्हें दवा वितरण का कार्य कर रहा है। इस सर्वेक्षण कार्य में क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्य और उनके सहयोगी भी दल के साथ जाएँ, यह अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों का टेस्ट कराया जाए ताकि जो भी संक्रमित सामने आए उनका उपचार सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सदस्यों से कहा कि वे ग्रामीणों को जागरूक करें कि वे कोरोना से डरें नहीं बल्कि सावधानी बरतें। किसी को भी सर्दी, खांसी या बुखार है तो छुपाएँ नहीं बल्कि बताएँ, ताकि उसका उपचार समय रहते किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह समय संयम का है। बिना काम के कोई भी व्यक्ति घर से न निकले। कोविड गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कोई आयोजन न किए जाएँ, जिसमें भीडभाड़ हो। शादी-विवाह, धार्मिक आयोजन एवं अन्य आयोजन अभी बिल्कुल न किए जाएँ। वर्तमान समय अपने आपको बचाने का है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमने गरीबों को पाँच माह का राशन निरूशुल्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। तीन माह का प्रदेश सरकार द्वारा तथा दो माह का केन्द्र सरकार द्वारा प्रदाय किया जा रहा है। यह राशन सभी जरूरतमंदों तक पहुँचे, इसकी मॉनीटरिंग भी की जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल में कई बच्चों ने अपने माँ-बाप खो दिए हैं ऐसे बच्चों के लिये भी हमने निर्णय लिया है कि पाँच हजार रूपए प्रतिमाह पेंशन, निरूशुल्क खाद्यान्न तथा शिक्षा की व्यवस्था भी सरकार करेगी। उन्होंने क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदसयों तथा जिला कलेक्टरों से कहा कि अगर उनके जिले में ऐसे कोई बच्चे हैं, तो उनकी सूची तैयार की जाए, जिससे उन्हें सरकार की तरफ से मदद दी जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सदस्यों से अपेक्षा की है कि अपने-अपने स्तर पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये जनता को साथ लेकर सकारात्मक माहौल बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि कोविड की चेन को तोड़ने के लिये जो कोरोना जनता कर्फ्यू लगाया गया है, उसका सख्ती से पालन भी शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी के प्रयासों से कोरोना हारेगा और ग्वालियर-चंबल संभाग जीतेगा। कोरोना संक्रमण समाप्त होगा और हम फिर सामान्य जीवन जीयेंगे। संकट की इस घड़ी में हम सबको एकजुटता के साथ कोरोना को समाप्त करना होगा। क्राइसिस मैनेजमेंट समिति की वर्चुअल बैठक में केन्द्रीय कृषि, पंचायत एवं एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर सहित क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्य और अधिकारी उपस्थित थे।

किल-कोरोना अभियान को मिल रहे जन-समर्थन से संक्रमण की चेन तोड़ने में मिल रही है सफलताः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किल कोरोना अभियान को मिल रहे जन-सहयोग से कोविड-19 संक्रमण की चेन तोड़ने में सफलता मिल रही है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर घट कर आज 10.68 प्रतिशत रह गई है। प्रदेश के कुछ जिलों में तो पॉजिटिविटी दर 5 प्रतिशत से कम रह गई है। आज 7 हजार 106 नये कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। करीब 12 हजार 345 कोरोना संक्रमित मरीज स्वस्थ्य हुए हैं। रिकवरी दर आज 86.10 प्रतिशत रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किल कोरोना अभियान के अंतर्गत घर-घर सर्वे टीम पहुँच रही है। सर्दी-जुखाम और बुखार से पीड़ित मरीज अपने इन लक्षणों को छुपाये नहीं बल्कि बतायें, ताकि उनका समुचित इलाज किया जा सके, जिससे दवाइयों की किट उन्हें उपलब्ध कराई जा सके। इस समय रिकवरी दर अधिक है। प्रदेश के 52 जिलों में कुल 354 कोविड केयर सेंटर प्रारंभ किए जा चुके हैं, जिसमें थोड़े लक्षण वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 21 हजार 988 बेड्स हैं। इनमें से 3 हजार 240 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किए जा चुके हैं। बेड्स की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक कुल 22 हजार 404 संस्थागत क्वारेंटाइन सेंटर्स बनाए जा चुके हैं, जिसमें 2 लाख 69 हजार 309 से अधिक बेड्स स्थापित किए गए हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी कोविड केयर सेंटर्स और संस्थागत क्वारेंटाइन सेंटर्स में रहने वाले शत-प्रतिशत मरीजों को मेडिकल किट और हेल्थ ब्रोशर्स प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश के 313 विकासखंडों में और 50 हजार 546 ग्रामों में संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जा चुका है। शहरी क्षेत्र में 407 स्थानीय निकायों और 7 हजार 568 वार्ड में वार्ड स्तरीय संकट प्रबंधन समिति का गठन किया जा चुका है। पोर्टल पर अपडेशन का कार्य किया जा रहा है। जिलों में भाप केन्द्रों की व्यवस्था भी की गई है। 46 जिलों में 2 हजार 158 भाप केन्द्र क्रियाशील है। कोरोना वायरस से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ राज्य एवं मध्यप्रदेश राज्य के बीच अंतर्राज्यीय बस परिवहन सेवा को 23 मई तक स्थगित रखने के आदेश जारी किए गए हैं। ब्लैक फंगस के उपचार के लिये कम से कम 24 हजार एम्फोटेरिसिन बी-50 एमजी दवा प्रदेश को आवंटित करने हेतु केन्द्रीय राज्य मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय से अनुरोध किया गया है।

जिले में कोरोना कर्फ्यू 31 मई सोमवार प्रातः 06 बजे तक बढा

भिण्ड। म.प्र. शासन गृह विभाग मंत्रालय भोपाल के प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में कोविड-19 संक्रमित व्यक्तियो बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने तथा आमजन के स्वास्थ्य एवं जान-माल की सुरक्षा व लोकहित को दृष्टिगत रखते हुये जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक एवं शासन से प्राप्त निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस द्वारा जिला भिण्ड की राजस्व सीमांतर्गत संपूर्ण जिले में पूर्व घोषित कोरोना कर्फ्यू 24 मई 2021 के स्थान पर अब 31 मई 2021 सोमवार प्रातः 06.00 बजे तक बढ़ाये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त जारी आदेश के शेष बिंदुओं को यथावत रखते हुये में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला भिण्ड सतीश कुमार एस ने भिण्ड जिले की राजस्व सीमांतर्गत संपूर्ण जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये 31 मई .2021 सोमवार प्रातः 06 बजे तक कोरोना कपर्यू घोषित किया है। आदेश में कहा है कि उपरोक्त आदेश का मूल आशय यह है कि कम से कम लोग अपने घरों से निकले ताकि संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सकें। उक्त आदेश का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) समस्त जिला भिण्ड, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट समस्त, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त जिला भिण्ड एवं थाना प्रभारी (समस्त) जिला भिण्ड अक्षरशः कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करेंगे तथा आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर अन्य आदेश तक लागू रहेगा।

जिले के युवाओं हेतु निःशुल्क ऑनलाइन बेवीनार में भाग लेने की अंतिम तिथि 18 मई

भिण्ड। उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. (सेडमैप) द्वारा जिले के युवाओं हेतु स्वरोजगार स्थापनार्थ निःशुल्क ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन 19 मई 2021 दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें केन्द्र सरकार एवं राज्य शासन की स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी, जिले में संभावित उद्योग/सेवा क्षेत्र अन्तर्गत स्थापित होने वाली इकाइयों की जानकारी एवं इकाई स्थापना की औद्योगिक प्रक्रिया की जानकारी आदि प्रदाय की जावेगी। उक्त बेवीनार में भाग लेने हेतु अश्विनी शर्मा जिला समन्वयक सेडमैप के मो.नं. 7000299686 पर अपना पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 18 मई 2021 है बेवीनार का आयोजन गूगल मीट पर किया जावेगा। जिसकी लिंक है। उक्त कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी सेडमैप के जिला समन्वयक अश्विनी शर्मा द्वारा दी गयी।

2 लाख 68 हजार 726 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 68 हजार 726 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 16 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 68 हजार 726 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड और 16 मई को 5 हजार 814 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

ब्लॉक स्तर पर किया जावेगा 18 से 44 उम्र के व्यक्तियों को टीकाकरण

19 मई से होगा शुरू

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जिला स्तर पर ही 18 से अधिक उम्र के व्यक्तियों का टीकाकरण किया जा रहा था। अब 19 मई 2021 से ब्लॉक स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कराहल, बडौदा, विजयपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वीरपुर में भी 18 से 44 बर्ष की उम्र के व्यक्तियों को कोविड का टीकाकरण किया जावेगा। कोविड टीकाकरण हेतु पोर्टल पर पंजीयन कराना आवश्यक है। पंजीयन कैसे करे सबसे पहले गूगल पर टाइप करें जहॉ पर कोविड वैक्सीनेशन रजिस्टेशन लिखा आऐग जिस पर क्लिक करें जहॉ पर अपना मोवाइल नंबर डालें प्राप्त ओटीपी को साइट पर डालें उसके बाद अपनी डिटेल भर दें सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंजीयन/रजिस्ट्रेशन पर क्लिक कर दें आपका पंजीयन हो जावेगा। पंजीयन के बाद टीकाकरण हेतु सिलॉट बुक करना होगा जो टीकाकरण के एक दिन पूर्व सुबह 9 से 11 बजे तक साइट ओपन रहेगी जिस हेतु आप को-विन पर जाकर अपना सिलॉट बुक करें सिलॉट बुक होते ही आपके मोवाइल पर टीकाकरण दिनांक व स्थान का मैसेज आऐगा। तब आप उस दिनांक में अपना टीकाकरण करवायें। साथ ही मास्क पहना ,दो गज की दूरी रखना एवं बार बार हाथों को धोते रहना का पालन करें। वैक्सीन एवं मास्क ही आपकी सुरक्षा है।

हल्के एवं बिना लक्षण वाले मरीजों के लिए होम आइसोलेशन सम्बन्धी एडवाइजरी

श्योपुर। कोविड-19 के बहुत हल्के एवं बिना लक्षण वाले मामलों के मरीजों के लिये होम आइसोलेशन हेतु नवीन दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नवीन निर्देशानुसार अनुसार मास्क के उपयोग के 8 घंटे या उससे पहले यदि मास्क गीला या गंदा हो जाए तो इसे फेंक दें। मरीज एक निर्धारित कमरे में रहें और घर में अन्य लोगों, विशेषकर बुजुर्ग और उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी आदि जैसी सह-रुग्ण स्थितियों वाले लोगों, से दूर रहें। मरीज को अच्छे हवादार क्रॉस वेंटिलेशन वाले कमरे में रहना चाहिए और कमरे की खिड़कियों को हमेशा खुला रखना चाहिए ताकि कमरे में स्वच्छ हवा आ सके। मरीज को हमेशा ट्रिपल-लेयर मास्क पहने रहना चाहिए। मास्क को फेंकने से पहले 1 प्रतिशत सोडियम हाइपो-क्लोराइट से कीटाणुमुक्त किया जाना चाहिए। बीमार व्यक्ति के कमरे में जाने पर देखभाल करने वाले व मरीज दोनों को एन-95 मास्क पहनना चाहिए। शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने के लिए मरीज को आराम करना चाहिए और तरल पदार्थों का अधिक मात्रा में सेवन करना चाहिए। हमेशा श्वसन संबंधी शिष्टाचार का पालन करें। साबुन और पानी से कम से कम 40 सेकेंड तक थोड़ी-थोड़ी देर बाद हाथ धोएं अथवा हाथों को एल्कोहल युक्त सैनिटाइजर से साफ करें घर के किसी भी सदस्य के साथ अपने वैयक्तिक सामानों को साझा न करें। कमरे में अक्सर छुई जाने वाली सतहों को 1 प्रतिशत हाइपोक्लोराइट सॉल्यूशन से साफ करें। पल्स ऑक्सीमीटर की मदद से ब्लड ऑक्सीजन के स्तर की नियमित तौर पर स्वयं निगरानी अवश्य करें। मरीज दैनिक स्तर पर शरीर के तापमान की जांच के साथ अपने स्वास्थ्य की स्वयं-निगरानी करेगा और तबीयत ज्यादा खराब होने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल को रिपोर्ट करेंगे।

मैं कोरोना वांलेटियर श्री प्रमोद शर्मा ने टीकाकरण करने में किया सहयोग

श्योपुर। जिला प्रशासन द्वारा जिले के कोरोना संक्रमण की रोकथाम की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। साथ ही जिलें में जन अभियान परिषद के माध्यम से नियुक्त किये गये मैं कोरोना वालेंटियर भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में महती भूमिका अदा रहे है। इसके अंतर्गत जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वालेंटियर श्री प्रमोद शर्मा ने विजयपुर ब्लॉक के बलावनी, रघुनाथपुर ओर टर्राकला के कोविड़ टीकाकरण में भाग लिया टर्राकला में ग्रामीणों के साथ कोविड़ टीकाकरण के सम्बंध में जो भ्रांतियां थी उनको दूर करने का प्रयास किया गांव में जो समझदार लोग थे जिनका दोनों डोज लग गये उनके अनुभव जाने उनकों प्रोतसाहित किया कि वह अन्य लोगो को कोविड़ टीकाकरण के प्रति प्रोत्साहित करने में सहयोग कर रहे है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर द्वारा जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में नागरिकों को कोरोना के संक्रमण के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे है। जिसमें कोविड सेंटर पर नागरिकों की सेम्पलिंग कार्य, पोस्टर लगाकर नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति जागरूक कर रहे है। साथ ही मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, सेनेटाईजर का उपयोग, साबुन से हाथ धोने के साथ-साथ अनावश्यक घर से बाहर ना निकलने के लिए जन जागरूकता फैला कर नागरिकों को संदेश दे रहे है। जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वांलेटियर श्री प्रमोद शर्मा ने विजयपुर ब्लॉक के बलावनी, रघुनाथपुर ओर टर्राकला के कोविड़ टीकाकरण में भाग लिया टर्राकला में ग्रामीणों के साथ कोविड़ टीकाकरण के सम्बंध में जो भ्रांतियां थी उनको दूर करने का प्रयास किया गांव में जो समझदार लोग थे जिनका दोनों डोज लग गये उनके अनुभव जाने उनकों प्रोतसाहित किया कि वह अन्य लोगो को कोविड़ टीकाकरण के प्रति प्रोत्साहित करने में सहयोग कर रहे है।

सम्पादकीय

टीके का इंतजाम

यह अब स्पष्ट हो गया है कि कोविड नियंत्रण में व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम का महत्व सबसे ज्यादा है। वैज्ञानिक कह रहे हैं, अगर किसी देश में लगभग सत्तर प्रतिशत जनसंख्या को टीका लग जाए, तो यह लगभग तय है कि उस देश से कोविड का उन्मूलन हो जाएगा। कई देश इस दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। कुछ देश जल्दी ही पूरी जनसंख्या को टीका लगाने का लक्ष्य पा लेंगे। ग्रेट ब्रिटेन ने तो लोगों को तीसरी खुराक देने की योजना बनाना भी शुरू कर दिया है। कई साधनहीन देश जरूर इस दौड़ में पिछड़ रहे हैं, क्योंकि साधन संपन्न देशों ने पहले अपने नागरिकों को टीके मुहैया कराने को प्राथमिकता दी है। भारत में हालांकि खुद दुनिया की सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाने वाली संस्थाएं हैं, लेकिन इस दौड़ में यह काफी पिछड़ गया है। इसकी वजह यह रही कि हमारी सरकार ने वैक्सीन की जरूरत के मुताबिक योजना बनाकर पहले ऑर्डर नहीं दिए। अब जब भारत में कोरोना की ताजा लहर भयावह रूप ले चुकी है, तब तेजी से टीके लगाने की जरूरत और ज्यादा बढ़ गई है। सरकार ने यह एक अच्छा काम किया है कि दुनिया के कई टीकों को भारत में लगाने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी सरकार ने कोरोना की गंभीर स्थिति के मद्देनजर इस दौरान वैक्सीन को बौद्धिक संपदा अधिकार के दायरे से बाहर रखने की बात कही है। इन वजहों से भारत में टीकाकरण की रफ्तार तेज होगी, लेकिन इन सबका असर जमीन पर दिखने में अभी कुछ वक्त लगेगा। टीकों की भारत में उपलब्धता आसान करने के लिए सरकार एक और कदम उठा सकती है कि टीका निर्माताओं को टीकों के संभावित दुष्प्रभावों के लिए कानूनी बाध्यता से मुक्त कर दे। टीका निर्माताओं की हिचकिचाहट का एक बड़ा कारण इससे खत्म हो जाएगा। अगर किसी पर दुष्प्रभाव पड़ते हैं, तो उसके लिए सरकार अपने स्तर पर नुकसान भरपाई और मुआवजे का इंतजाम कर सकती है। इसके लिए सरकार चाहे, तो किसी बीमा कंपनी से करार कर सकती है। इस मामले में खतरे या फिक्र की बात इसलिए भी नहीं है कि दुनिया भर में करोड़ों लोगों को टीके लग चुके हैं और ऐसी कोई खबर नहीं आई है, जिससे किसी गंभीर खतरे का आभास हो। जाहिर है, कोई भी दवा या वैक्सीन शत-प्रतिशत निरापद नहीं होती, लेकिन अभी जो वैक्सीन लगाए जा रहे हैं, उनसे दुष्प्रभावों की संख्या नगण्य है। इसलिए वैक्सीन की सुरक्षा की गारंटी सरकार ले, तो उसमें कुछ भी गलत नहीं होगा । भारत जैसे देश में इस बात का ज्यादा महत्व इसलिए है कि यहां सरकार की विशेष विश्वसनीयता होती है। अगर लोग यह जानेंगे कि सरकार सुरक्षा की गारंटी ले रही है और किसी आकस्मिक मुश्किल के वक्त वह हमारी मदद करेगी, तो वैक्सीन के प्रति अगर कुछ हिचक है भी, तो वह कम होगी। वैसे भी आम भारतीयों के लिए किसी कंपनी के बजाय अपनी सरकार से शिकायत करना ज्यादा आसान होगा। इस तरह, यह स्थिति वैक्सीन निर्माताओं के लिए भी ठीक होगी और हमारे नागरिकों के लिए भी। यह देखा जा रहा है कि कोविड राहत से जुड़े कई मामलों में बहुत छोटे-छोटे तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दों की वजह से देर हो रही है, जो कि ऐसी आपात स्थिति में बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। इसीलिए सरकार को टीकों की उपलब्धता तेजी से बढ़ाने के लिए जो भी करना जरूरी हो, तुरंत करना चाहिए।

सुख कहां है?

आज मेरे मन में एक विचार बार-बार उठ रहा है. क्या वास्तव में संसार में सुख है क्या? बहुत विचार करने के बाद हमने यह अनुभव किया कि इस संसार में सुख ही नहीं. इंसान सुख की प्राप्ति के लिए क्या-क्या नहीं करता .धन के पीछे भागता है, पद के पीछे भागता है, फिर इन दोनों के पीछे भागते -भागते कब सुख से वंचित हो जाता है, उसे पता ही नहीं चलता. और अगर धन और पद ना हो तो तब तो दूर-दूर तक सुख की कल्पना करना भी व्यर्थ है. क्योंकि धनाभाव और पदाभाव में मैंने अक्सर लोगों का शोषण होते हुए देखा है. लोग अपने से असहाय लोगों की मदद नहीं करते बल्कि उन्हें और शोषित कर देते हैं. अब यहां तो सुख है ही नहीं तो दूसरी तरफ नजर घुमा लेते हैं कि वास्तव में सुख कहां है? अब एक नजर परिवार की तरफ डाल देते हैं. हमने कई लोगों को इसलिए रोते देखा है कि उनके चार -चार बेटे हैं फिर भी कोई इनकी तरफ ध्यान नहीं देता.सब अपने आप में व्यस्त हैं और किसी के पास उनकी औलाद नहीं है इसलिए दुखी है . उनके मुंह से हमने अक्सर यह कहते सुना है कि हमारी एक औलाद होती तो हम खुश होते. अब दोनों घरों के हालात सामने आखिर जिस की औलाद है वह भी दुखी जिसके नहीं है वह भी दुखी तो फिर सुख कहां है? ना तो धन में सुख नाही पद में सुख लेकिन इंसान उसी में सुख खोजने की तलाश करता है. इंसान की हालत उस मृग के समान होती है जो कस्तूरी की खोज में इधर-उधर जंगलों में भटकता रहता और वह उसके कानों में ही होता है7 इंसान भी उस सांसारिक वस्तुओं में सुख की तलाश करता है और वास्तव में वह उसके अंदर ही होती है7 यदि वह स्वयं से सुखी है तो वह सुखी और यदि वह स्वयं से दुखी हो तो दुनिया की कोई भी वस्तु उसे सुखी नहीं कर सकती है. हमारा मन भी इन सारी चीजों के पीछे भागता है और हमारा मन भी इन सारी बातों को जानता है फिर भी इस मृगतृष्णा के पीछे भागता है. अपनी प्रिय वस्तु के खोने पर वह दुखी होता है और फिर शुरू होती है सुख की तलाश. अंततः उसे सुख मिलता भगवत दर्शन से, उसे शांति और सुख ईश्वर के पास ही मिलता है. इसलिए कोई भी कर्म करो ईश्वर को समर्पित करो सुख और शांति सब मिलेगी.

स्वरचित, अप्रकाशित एवं मौलिक रचना

(लेखिका के स्वयं के विचार)

लेखिका/ रचनाकार ऱीता तिवारी ÷रीत÷

शिक्षा ऱएमए समाजशास्त्र ,बी एड ,सीटीईटी उत्तीर्ण

संप्रति÷ अध्यापिका स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री

पिता का नाम ऱश्री अवधेश तिवारी

मऊ, उत्तर प्रदेश से

समस्याओं के बीच इंसान आगे बढ़ रहा है

सभी जानते हैं कि जब 1985 में स्वर्गीय स्टीफन विलियम हॉकिंग बोलने की क्षमता खो बैठे थे, तब कैम्ब्रिज ने सॉफ्टवेयर के साथ बोलने वाला डिवाइस बनाया था, जिसने उन्हें इलेक्ट्रॉनिक आवाज दी। इससे वे गाल की मांसपेशियों की मदद से शब्द चुन पाते थे। वे कम्प्यूटर स्क्रीन इस्तेमाल करते थे, जिस पर एक कर्सर अल्फाबेट पर घूमता था। अल्फाबेट को चुनने के लिए वे गाल सिकोड़ते थे और इस तरह अल्फाबेट से मिलाकर शब्द बनाते थे। अब मानव जाति ने एक लंबी छलांग लगाई है। जिनका शरीर गर्दन से नीचे लकवाग्रस्त है, वे ऐसे कम्प्यूटर सिस्टम से वाक्य लिख सकते हैं, जो कल्पित हैंडराइटिंग को शब्दों में बदलता है। नया सॉफ्टवेयर मांसपेशियों की जगह सीधे ब्रेन का इस्तेमाल करता है। जी हां, पहली बार वैज्ञानिकों ने दिमागी गतिविधि से वाक्य बनाए हैं, जिससे लकवाग्रस्त लोग तेजी और स्पष्टता से बात कर सकें। करीब 60 वर्षीय व्यक्ति टी5 (नाम गुप्त रखा गया है) 2007 में स्पाइनल कॉर्ड में लगी चोट के कारण गर्दन के नीचे कोई मूवमेंट नहीं कर पाते हैं। टी5 पिछले हफ्ते एक मिनट में 18 शब्द लिखने में सफल रहे। इसे 'माइंड-राइटिंग' कहते हैं। यह कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की परियोजना है। टी5 ने ब्रेन-कम्प्यूटर इंटफेस की सुरक्षा की जांच के लिए ब्रेनगेट2 नामक क्लिनिकल ट्रायल में एनरोल किया था। यह शरीर में लगाने योग्य छोटी एस्प्रिन बराबर कम्प्यूटर चिप हैं, जो दिमाग की इलेक्ट्रिकल गतिविधि पढ़ती हैं। ये उनके दिमाग की बायीं तरफ लगाई गईं, जहां न्यूरॉन्स दाएं हाथ को नियंत्रित करने के लिए सिग्नल भेजते हैं। शोधकर्ताओं ने टी5 से कहा कि वे कल्पना करें कि हाथ में पेन पकड़कर कागज पर अल्फाबेट लिख रहे हैं, भले ही अपनी बांह नहीं हिला सकते। ऐसा करने पर चिप ने ब्रेन एक्टिविटी रिकॉर्ड की, जो सामान्य परिस्थिति में उनके मूवमेंट नियंत्रित करती। उनकी माइंड-राइटिंग 94त्न सही थी और जब वैज्ञानिकों ने इसमें ऑटोकरेक्ट टेक्नोलॉजी जोड़ी तो एक्यूरेसी 99त्न हो गई। माइंड-राइटिंग में एल्गोरिद्म में अक्षर पहचानने की जगह शब्दांश और ध्वनिग्राम पहचानेगी, जो बोलने की आधारभूत इकाई है। सेशन के दौरान टी5 को लगता था कि उनके हाथ में काल्पनिक पेन है और हाथ पेज पर चल रहा है। साथ ही जब वे कैपिटल की जगह स्मॉल लेटर इस्तेमाल करते हैं तो तेजी से लिखते हैं। 'जर्नल नेचर' में प्रकाशित लेख के मुताबिक वैज्ञानिकों ने माना है कि कुछ अक्षर, जैसे 'ह्', 'द्ध' और 'ठ्ठ' में अंतर करना मुश्किल है क्योंकि इन्हें लिखने में समान मूवमेंट होते हैं और इसलिए समान ब्रेन एक्टिविटी होती है। शोधकर्ता लंबे समय से ऐसे तकनीकों के ख्वाब देख रहे हैं जो सीधे दिमाग से जुड़ सकें। इसलिए यह अध्ययन ब्रेन-कम्प्यूटर इंटरफेस में उल्लेखनीय प्रगति है। न्यूरल इंजीनियरिंग में काम कर रहे लोग उत्साहित हैं क्योंकि इस शोध ने कल्पित हरकतों को डिकोड करने के रास्ते खोले हैं। स्वाभाविक है कि रोजमर्रा में दिव्यांगों के इस्तेमाल के लिए इस सिस्टम को आने में समय लगेगा। लेकिन कम से कम अब हम जानते हैं कि ऐसे लोगों के लिए उम्मीद है। हालांकि वैज्ञानिक अभी नहीं जानते कि एल्गोरिद्म रोमन अल्फाबेट इस्तेमाल न करने वाली अन्य भाषाओं में कितनी कारगर है। फंडा यह है कि बेशक हम महामारी के बीच में हैं लेकिन यह इंसानों को कष्ट देने वाली अन्य परिस्थितियों का समाधान खोजने से हमें नहीं रोक सकती। ऐसी खोजों की सराहना करें क्योंकि यह कुछ लोगों की जिंदगी को कहीं ज्यादा आरामदायक बना सकती हैं।

'ज़िंदगी जंग है उसे हौसलों से हराओ नशे से नहीं'

आख़िर इंसान क्यूँ लत लगा लेता है किसी भी नशे की, जब किसी व्यसनी को पूछोगे की आख़िर क्यूँ करते हो नशा तो यही जवाब मिलेगा की टेंशन कितना है, चंद पलों का नशा करने से क्या सचमुच अवसाद से उभर जाते हो? या मुश्किलें ख़त्म हो जाती है। नहीं...व्यसन सिर्फ़ और सिर्फ़ तन मन और धन की बर्बादी के सिवाय और कुछ नहीं। शराब, सिगरेट, चरस, गांजा, कोकीन या गुटखा नशा जिस चीज़ का भी हो खतरनाक और जानलेवा ही होता है। आजकल की पीढ़ी का एक वर्ग इन सारी चीज़ों का सेवन करते नशेड़ी होता जा रहा है। और तो और अब लड़कियां भी ऐसे नशे का शिकार होती जा रही है। बड़े शहरों में पब में बैठकर दारु और सिगरेट पीना जैसे फ़ैशन बन गया है। कुतूहल से शुरू होने वाला ये नशा कब तलब बन जाता है पता ही नहीं चलता। और नशे की लत लगाने वाला खुद का दोस्त ही होता है। ले ले ज़रा सा चखने ले या ले न यार एक सुट्टा मारकर तो देख, बस शुरुआत यहीं से होती है। बड़ी-बड़ी पार्टियों में ये सारी चीज़े आम होती है और कोर ग्रुप का हिस्सा तभी बनाया जाता है जब ये सारी चीज़े अपनाओ। ना कहने पर खुद को सब नीचा और छोटी सोच वाला ना समझ ले ये सोचकर पीने पिलाने वाली रस्म निभाते व्यसनी बन जाते होंगे। जहाँ पैसा प्रसिद्धि ग्लैमर है वहाँ ड्रग एब्यूज़ और शारीरिक शोषण अपनी जगह बना ही लेता है। अब ये बदी धीरे-धीरे हर क्षेत्र में फैल रही है। जाने अन्जाने ये नशीले पदार्थ हमारी निज़ी ज़िंदगी में प्रवेश कर चुके है। ड्रग मतलब चरस गांजा हेरोइन या शराब ही नहीं शरीर के लिए हानिकारक तत्वों वाले कैमिकल घर-घर बसेरा करने लगा है। जैसे कफ़ सिरप, नींद की गोलियां, सिगारेट के साथ विड गांजा, चॉकलेट की तरह हर जगह उपलब्ध है। समाज को दीमक की तरह बर्बाद करने वाले ड्रग माफ़िया के आगे पुलिस और सरकार लाचार क्यूँ है ? क्यूँ उस पर ऊँगली उठाने वालों को अपनी ज़िंदगी से हाथ धोने पड़ रहे है। एनसीबी को सख्ती से काम लेकर कारवाई करनी होगी। ड्रग से जुड़ी हर कड़ी को बेनकाब करके समाज को इस बदी से उभारना चाहिए। व्यसन सच में एक अभिशाप है, जो व्यसनी है किसी भी चीज़ का नशा उसको शारीरिक रूप से तो खोखला करता ही है, साथ में पैसों की बर्बादी अलग से। और टूटते परिवारों की तबाही का सबसे बड़ा कारण दारु का नशा होता है। दारु पीकर घर में झगड़ा करना पत्नी को पिटना गाली गलोच करना और बच्चों को मारना परिवार का सुख चैन छीन लेता है। पीने पर पति को टोकने से झगड़ा शुरू होता है और मारपीट तक पहुँच जाता है। सवाल ये है की एसा क्या कारण है जो आज का युवा वर्ग अवसाद से घिरकर इन सब चीज़ों के प्रति आकर्षित होते अपनी करियर और ज़िंदगी को दांव पर लगा लेते है। मादक द्रव्यों के बढ़ते हुए प्रचलन के लिए आधुनिक सभ्यताओं को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जिसमें व्यक्ति यांत्रिक जीवन व्यतीत करता हुआ भीड़ में इस कदर खो गया है कि उसे अपने परिवार के लोगों का भी ध्यान नहीं रहता है। नशा एक अभिशाप है, एक ऐसी बुराई जिससे इंसान का अनमोल जीवन मौत के आगोश में चला जाता है एवं उसका परिवार बिखर जाता है। इन सबके पीछे घर के हालात, माँ-बाप से कन्वरसेशन की कमी, आर्थिक समस्या, सामाजिक बोझ जैसे बहुत से हालात भी शायद ज़िम्मेदार हो सकते है। पर कोई भी समस्या खुद की ज़िंदगी से बड़ी या अहम नहीं। क्यूँ नहीं समझते की जान है तो जहान है। नशा या खुदकशी समस्या का हल नहीं। ज़िंदगी जंग है लड़कर जितनी चाहिए ना की संघर्ष के आगे घुटने टेक कर खुद को बर्बाद कर लें।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु) सभावु

नई आफतः मंडराता ब्लैक फंगस का खतरा

देशभर में कोरोना जमकर कहर बरपा रहा है। देश-प्रदेश में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच सरकारें सख्त लॉकडाउन के जरिए संक्रमण की चैन तोड़ने का प्रयास कर रही हैं। पिछले दो से तीन दिनों में कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़ों में जरूर कमी आई हैं। कई राज्यों की सरकारों ने कर्फ्यू और लॉकडाउन द्वारा संक्रमण की चैन तोड़ने का प्रयास किया है। इससे संक्रमण में जरूर कमी देखी गई है, मगर हर दिन होने वाली मौतों के आंकड़ों में कोई खास गिरावट नहीं दर्ज की गई। देश में पॉजिटिविटी की दर 24 फीसदी से घटकर 16 फीसदी के करीब पहुंच गई है।? ऐसे में यह बहुत राहत भरी खबर है। लेकिन आज देश कोरोना महामारी से उबरा नहीं, मगर एक नई आफत ने आन दस्तक दी है। देश के सामने नई आफत ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के रूप में सामने आई है। इसे जायगोमायकोसिस के नाम से भी जाना जाता है। सीडीसी यानि सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, यह एक दुर्लभ लेकिन खतरनाक फंगल इन्फेक्शन है जो म्यूकोरमाइसेट्स नाम के फफूंद यानि फंगस के समूह की वजह से होता है। यह फंगस वातावरण में प्राकृतिक तौर पर पाया जाता है। यह इंसानों पर तब ही हमला करता है, जब हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर पड़ती है। हवा में मौजूद यह फंगल स्पोर्स यानि फफूंद बीजाणु सांस के जरिए हमारे फेफड़ों और साइनस में पहुंच कर उन पर असर डालते हैं। यह फंगस शरीर में लगे घाव या किसी खुली चोट के ज़रिये भी शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। बताया जाता है कि यह फंगस साइनस क्षेत्र से फेफड़ों में प्रवेश करता है। कई मामलों में यह भी सामने आया है कि यह साइनस क्षेत्र से आंखों में चला जाता है, वहां से सीधा मस्तिष्क में प्रवेश करता है। ऐसे में इस फंगस का मस्तिष्क में प्रवेश बेहद ख़तरनाक है। इससे आंखों की रोशनी जाती रहती है, समय रहते इलाज नहीं करवाने की स्थिति में मौत भी हो सकती है। आज देशभर में कोरोना वायरस के विकराल रूप के बीच ब्लैक फंगस का खतरा भी बढ़ रहा है। उत्तरप्रदेश के वाराणसी से ब्लैक फंगस से जुड़ा मामला सामने आया है। जिसमें 52 वर्षीय कोरोना संक्रमित और ब्लैक फंगस से पीड़ित महिला का ऑपरेशन किया गया। बीएचयू में ईएनटी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुशील कुमार अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ सफल ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन में महिला की जान बचाने के लिए उनका जबड़ा और एक आंख समेत चेहरे का आधा हिस्सा निकाल दिया गया। बताया जाता है कि ऑपरेशन से पहले महिला के चेहरे पर सूजन की शिकायत थी। डॉ अग्रवाल ने बताया कि लगभग छह माह बाद सिलिकॉन का आर्टिफिशियल चेहरा, जबड़ा और पत्थर की आंख लगाई जाएगी। यदि ऑपरेशन नहीं करते तो संक्रमण मस्तिष्क में चला जाता और उनकी मौत हो सकती थी। विशेषज्ञों ने ब्लैक फंगस को लेकर चेताया है कि प्रतिरोध क्षमता कम और शुगर लेवल ज्यादा होने, हैवी स्टेरॉइड लेने तथा हफ्ते भर आईसीयू में रहकर इलाज करवाकर लौटे मरीजों को इससे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। सीडीसी ने यह स्पष्ट किया है कि म्यूकरमाइकोसिस कोई संक्रामक नहीं है। इसका सीधा-सा मतलब यह है कि यह एक इंसान से दूसरे इंसान के संपर्क में आने से नहीं फैलता है। आज हम देख पा रहे हैं कि कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों में मृत्यु 1 से 2 फीसदी के बीच पाई जा रही है। कोरोना वायरस को हराने में हमारा मजबूत इम्यूनिटी बहुत मददगार है। ऐसे में बताया जा रहा है कि मजबूत इम्यूनिटी के साथ ब्लैक फंगस को बड़ी आसानी के साथ हराया जा सकता है। मजबूत इम्यूनिटी का मतलब हमारी बीमारियों से लड़ने की क्षमता से है। लेकिन इससे भी जरूरी यह है कि हमें ब्लैक फंगस के लक्षणों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। म्यूकरमाइकोसिस यानि ब्लैक फंगस के लक्षणों में मुख्यत÷ आंख व नाक के आसपास दर्द, लालिमा व सूजन के साथ बुखार और सिरदर्द रहता है। खांसी और हांफना, खून की उल्टी, साइनोसाइटिस यानि नाक बंद होना या नाक से काले म्यूकस का डिस्चार्ज होना, दांत ढीले हो जाना या जबड़े में दिक्कत महसूस होना और नेक्रोसिस यानि किसी अंग का गलना तथा त्वचा पर चकत्ते का पड़ना इत्यादि लक्षण शामिल हैं। ऐसे में हमारी सतर्कता हमें ब्लैक फंगस से लड़ने में बहुत मददगार साबित होगी। मगर ध्यान देने योग्य है कि नाक बंद होने के सभी मामलों को बैक्टीरियल इंफेक्शन न समझें विशेष रूप से कोरोना मरीजों में। सबसे जरूरी यह है कि डॉक्टर की सलाह लेने और इलाज शुरू करने में बिलकुल भी देरी न करें। यदि धूल वाली जगह पर जाएं, तो मास्क का प्रयोग जरूर करें। म्यूकरमाइकोसिस मरीज के साइनस के साथ आंख, दिमाग, फेफड़ों या त्वचा पर भी हमला कर सकता है। यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।

- अली खान

(स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)

जैसलमेर, राजस्थान

राष्ट्रीय कार्यबल को मिले अधिकार

सर्वोच्च अदालत ने पिछले हफ्ते एक राष्ट्रीय कार्यबल (नेशनल टास्क फोर्स- एनटीएफ) का गठन किया, जो एक सप्ताह के भीतर राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों को चिकित्सकीय-ऑक्सीजन के आवंटन की नीति बताएगा, और अगले छह महीनों में एक राष्ट्रीय योजना की व्यापक रूपरेखा पेश करेगा, ताकि अभी और भविष्य में हम कोविड-19 से कारगर जंग लड़ सकें। विशेषज्ञों से भरा यह 12 सदस्यीय कार्यबल भरोसा जगाता है। हालांकि, इसका काम सिर्फ सिफारिश करना है, लिहाजा उसकी अनुशंसाओं पर फैसले लेने का अधिकार केंद्रीय नौकरशाही के पास ही होगा, जिसकी तस्वीर बहुत धवल नहीं है। लोग फैसले लेने वाली कोई पेशेवर और निष्पक्ष इकाई चाहते हैं, जिसके लिए कार्यबल ही उपयुक्त है, फिर चाहे वह मौजूदा स्वरूप में हो या फिर जरूरत के मुताबिक इसमें अन्य विशेषज्ञ भी शामिल किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट के लिए आवश्यक है कि वह इस राष्ट्रीय कार्यबल को इतना मजबूत करे कि वह कोविड-19 से जुड़े फैसले खुद ले सके। इस समय सबसे बड़ी जरूरत यही है कि राष्ट्रीय कार्यबल जैसी किसी इकाई द्वारा त्वरित निर्णय लिए जाएं। यह अभी सबसे बड़ी जरूरत है। एक उदाहरण से इसे समझिए। पिछले साल कोविड-19 के मामलों में उछाल आने के बाद मार्च में भारत सरकार के सचिवों के नेतृत्व में 11 अधिकार प्राप्त समितियों का गठन किया गया। फिर भी, प्रस्तावित 133 नए ऑक्सीजन-प्लांट में से सिर्फ 33 प्लांट स्थापित हो सके, और ये समितियां कुछ नहीं कर सकीं। नवंबर में, संसद की स्थाई समिति ने ऑक्सीजन-आपूर्ति, आईसीयू बेड और अन्य सुविधाओं की कमी को लेकर चिंता जताई थी। मगर जब बीते मार्च में दूसरी लहर ने भारत पर हमला किया, तब हम बिना तैयारी के थे। ऑक्सीजन-कोटे को लेकर दिल्ली और केंद्र के बीच की लड़ाई को ही लीजिए।

संजीव-नी।।

जख्म ऐ दिल मत दिखा जमाने को।
जख्म ऐ दिल मत दिखा जमाने को।
कि तूने समझा ही क्या जमाने कोद्य
हाथ मिला हमसाया बन।
हमदर्द बना जमाने को ।
देखना चाहता असली चेहरे ।
आईना दिखा दे जमाने को ।
दोगली सियासत फ़िज़ा की।
बेनकाब कर दिखा जमाने को ।
अपने ही लोग कांटे बिछाएंगे ।
बनाकर चमन,दिखा जमाने को।
मोहब्बत,इश्क,शायरी बेमानी।

शोहरत कमा, दिखा जमाने को,
कर दे राहें संजीव फूलों भरी,
कवि तू ही चला जमाने को।।

संजीव ठाकुर रायपुर 9009 415 415

समलैंगिकता

समलैंगिकता एक अहम मुद्दा है, जो कुछ लोगों की नज़र में अपराधिक प्रवृत्ति मानी जाती है, इस विषय पर सभी के अपने-अपने विचार है, कुछ की नज़र में यह रिश्ता जिसे स्त्री समलिंगी को लेस्बियन और पुरुष समलिंगी को गे भी कहा जाता है, मान्यता मिलनी चाहिए,जो किसी हद तक सही भी है और ग़लत भी। काम-वासना हर मन में होती है जो प्राकृतिक है, लेकिन कभी किसी का झुकाव विपरीत लिंग की तरफ हो जाता है, तो कभी किसी का समलिंग अर्थात अपने ही लिंग की तरफ जो किसी तरह से अपराध नहीं, मन में जब काम की तीव्र उत्पत्ति होती है तो उसे ये सुझाई नहीं देता कि सामने वाला विपरित लिंग है या सम लिंग, उसे केवल प्यार जताना या प्यार पाना या कहें कि खुद को यौन संबंध द्वारा तृप्त करना है । इसे हम ईश्वर की चूक भी कह सकते हैं, या हार्मोन की वजह से भी ऐसा हो जाता है, जैसे कोई लड़का पैदा हुआ उसका शरीर लड़के का है लेकिन अन्दर से वो लड़की की तरह है, ये हार्मोन प्रोब्लम ही होती है। जिसे वो ना तो सही उजागर कर पाते हैं और ना ही छुपा पाते हैं। कुछ समय पहले तक लेस्बियन या बाईसेक्सुअल को अपराधिक माना जाता था, समलैंगिक विवाह को भले ही स्विकृति नहीं मिली,लेकिन 2009 में धारा 377के अन्तर्गत हाईकोर्ट द्वारा इस रिश्ते को मान्यता देने के बाद लोगों का नजरिया बदला और समलैंगिक के लिए पोर्नोग्राफी और अश्लीलता जैसे शब्द भी बदले और लोग खुलकर सामने आने लगे । मगर कुछ धार्मिक संगठन भारतीय संस्कृति के अनुसार इसे ग़लत करार देते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह दो हताश, असफल और नाउम्मीद लोगों द्वारा सहमति से किया व्यभिचार है और यह अप्राकृतिक है, जिसे मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। 2011में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री गुलाब नबी आज़ाद ने इसे अप्राकृतिक और गंभीर दिमागी बिमारी बताया था, उनका अर्थ ये था कि ये शारिरिक नहीं मानसिक बिमारी है जो जल्द ही भंयकर सामाजिक बिमारी बन जाएगी, उनके इस कथन पर लेस्बियन और बाईसेक्सुअल लोगों ने विरोध किया था, जिसमें बालीवुड की कई मानवाधिकार संस्थाओं ने भी साथ दिया था। कहीं ना कहीं ये पाश्चात्य सभ्यता का ही असर है, पाश्चात्य संस्कृति में फूहड़ और भद्दे प्रयोग वहां के लोगों के लिए कोई नई बात नहीं है। पाश्चात्य देशों में ऐसे हालात हो गए हैं कि व्यक्ति के पारस्परिक संबंध भी केवल भोग-विलास तक ही सीमित रह गए हैं । समलैंगिकता के संबंधों को भी वो एक अनोखे प्रयोग और फ़न के तौर पर लेते हैं। उन्हें ये सामान्य संबंधो से अधिक उत्साही लगता है, जिसका अनुसरण भारतीय एक भेड़- चाल की तरह आंखें मूंद कर करते हैं, माडर्न और अपडेट रहने के चक्कर में अपनी मौलिकता और संस्कृति का भी अपमान करते हैं । ये तथ्य भी कुछ सही या ग़लत नहीं कहा जा सकता हो सकता दो पुरुष या महिलाएं अन्य रिश्तों से हताश होकर आपस में आकर्षित होते हों,एक धारणा यह है कि बचपन में विषमलिंगी का प्रयाप्त सहयोग ना मिलना भी समलैंगिक का कारण बन सकता है, एक धारणा यह भी हो सकती है कि यदि पुरुष को नारी से और नारी को पुरूष से अगर बहुत दूर रखा जाए तो वो अपने ही लिंग में उसे ढुंढने की कोशिश करता है, पति-पत्नी की सेक्स लाइफ, समागम की अनुकूलता ना होना भी इसका कारण माना जाता है। कहीं-कहीं बेलगाम मौज -मस्ती, स्वच्छंद भोग-विलास की लालसा के रूप में जन्म लेती है, यकीनी तौर पर कुछ भी कहना कठिन है। एक समलैंगिक की मानसिकता वहीं बता सकता है। एक तरह से देखा जाए तो जैसे हम सैक्स को छुपाते हैं, कोई भी मानव जाति में सैक्स खुलेआम नहीं करता देखा जाता, केवल पशु जाति को ही जैसे श्वान खुलेआम सैक्स करते हैं, अगर इस रिश्ते को खुलेआम मान्यता दे दी तो आने वाले समय में मानव जाति भी श्वान की तरह ही खुलेआम सैक्स करती नजर आएंगी, अनुसंधानों से यह स्पष्ट हुआ है कि समलैंगिकता अनुवांशिक नहीं है, यह एक सीखी हुई आदत है जिसे चाहने पर छोड़ा भी जा सकता है, पुरुष-पुरूष यौनाचार में एड्स और स्त्री समलैंगिक में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस, हर्पिस आदि बिमारियां तेज़ी से फैलती हैं, इसके अलावा समलिगिंयो में सिफलिश, हेपेटाइटिस बी, गोमोनिया, यौन- जनित अनेकों बिमारियां महामारी की तरह फैलती हैं।इसलिए इस रिश्ते को भी पर्दे में ना रखा तो आज की युवा पीढ़ी पर इसका दुष्प्रभाव ही पडेगा, यह एक प्रदूषण की तरह है जो धीरे-धीरे समाज को अपनी चपेट में ले लेगा। लेस्बियन, बाईसेक्सुअल को खुलेआम मान्यता देने से समाज में एक और भंयकर मानसिक बिमारी की बढ़ोतरी हो सकती है, युवा वर्ग पर इसका ग़लत असर पड़ सकता है । समलैंगिक को प्रताड़ित करने या मज़ाक बनाए जाने की बजाए उन्हें समझाया जाना चाहिए, कि यह कोई मानसिक बिमारी नहीं है, इससे आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है, ऐसे लोगों को सहानुभूति और इलाज की आवश्यकता होती है। दैहिक सुख की भोगवादी लालसा में समलिंगी अपने जीवन को खोखला बना रहे हैं, इस समस्या का निदान समलिंगी विवाह अनुमति में नहीं अपितु इलाज और समाधान में है।

प्रेम बजाज

रत्नों से करें अपना उपचार

हमारे देश में रत्नों का इतिहास बहुत पुराना है। रत्नों को केवल इसलिए नहीं धारण किया जाता कि वे कीमती होते हैं और हमारी प्रतिष्ठा का प्रश्न उनसे जुड़ा होता है अपितु उनमें दिव्य औषधीय तथा रसायनिक गुण भी होते हैं। प्राचीन ज्योतिष-शस्त्र और रसायन शास्त्र से भी उनका घनिष्ठ संबंध है। इस प्रकार रत्न न केवल शरीर के बाहरी सौन्दर्य की वृद्धि करते हैं बल्कि उसे अनेक रोगों से भी बचाते हैं। खान के निकले पत्थरों की रत्नों की उपाधि दिए जाने के लिए जरूरी है कि उसमें पारदर्शिता का गुण हो साथ ही वे सुप्रकाशयुक्त और किरण-भेद हों। कुछ रत्न ऐसे भी होते हैं जिनके आरपार नहीं देखा जा सकता है। रत्नों की श्रेष्ठता आंकने के लिए उनकी स्थिरता को मापा जाता है। रत्नों की स्थिरता दो प्रकार के प्रभावों से होती है पहला यांत्रिक प्रभाव से और दूसरी रासायनिक प्रभाव से। रगड या दाब से रत्नों का अपरिवर्तनीय रहना यांत्रिक स्थिरता है जबकि विभिन्न रासायनिक पदार्थों के सम्पर्क में आने पर भी रत्न के गुणों में बदलाव न आना रासायनिक प्रभाव की स्थिरता है। रेत की रगड से रत्न प्रायः मैले और धुंधले हो जाते हैं। कई प्रकार के पत्थरों को रत्नों में शुमार किया जाता है। हीरा, नीलम, पन्ना, पुखराज, फीरोजा, रूबी आदि रत्न बहुत प्रसिद्ध हैं। रासायनिक ग्रंथों के अनुसार अच्छा मोती गोलाकार, चिकना, भारी तथा ठीक स्थान पर बिछा होना चाहिए। मसूर के आकार वाले हल्के रंग वाले कांतिहीन छोटे-छोटे छेद और कटी-फटी रेखायुक्त मोती दूषित होते हैं। मोती में स्थिरता की कमी होती है इसलिए इसे कीमती रत्नों में स्थान नहीं दिया जाता। मोतियों की माला पहनने से दाह और पित्त शांत होते हैं। सभी रत्नों में प्रमुख हीरा माना जाता है। हीरे में असाधारण गुण माने जाते हैं। इसे निर्भयता और अदम्यता का प्रतीक भी कहा जाता है। हीरा कार्बन का एक अपररूप होता है। हीरा सफेद, लाल, पीला और काले रंग का होता है। हीरा मोटा, चिकना, भारी चोट सहने वाले चमकदार तथा पानी से भरे पीतल के बर्तन में डालकर घुमाने से लकीरें उत्पन्न करने वाला होना चाहिए आठ पहलू या छः कोणों वाला हीरा श्रेष्ठ होता है। धाररहित व तिकोना हीरे का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यों तो हीरे की कांति सभी रोगों में फायदा करती है परन्तु विशेषतः लाल हीरा जरामरण को दूर करता है पीला हीरा शरीर को मजबूत बनाता है काला हीरा रोगों का नाश करता है तथा सफेद हीरा रसायन के काम में आता है। स्वास्थ्य वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हीरा कांतिमय निर्दोष और साफ हो। शुद्ध हीरा सभी रोगों का नाश करने वाला, वीर्यवर्धक तथा बलदायक होता है। अशुद्ध हीरा का प्रयोग कदापि न करें इससे कोढ़, पसली का दर्द, पाण्डु रोग, अपंगता आदि हो सकते हैं। हल्की आभामय लालिमा ही नीलम की विशेषता है। अलसी के फूल की तरह आभामान पानी में डालने पर पानी नीला नजर आए ऐसा नीलम सर्वश्रेष्ठ होता है। सेवन करने से (भस्म) नीलम, त्रिदोष, श्वास-कास रस वर्धक तथा वीर्यवर्धक है। गोमेद हिमालय और सिन्धु में प्राप्त होता है। भारी, चिकना चमकदार, अच्छे रंग वाला गोमेद सर्वश्रेष्ठ होता है। इसकी छाया तीन रंगों की होती है लाल, पीली, तथा काली। हल्के विरूप, खुरदरे तथा मैले गोमेद का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यह अम्ल उष्ण, वात नाशक तथा बुद्धि प्रबोधक है। सौन्दर्य बल में भी गोमेद की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रवाल समुद्र से प्राप्त होता है। समुद्र में इसका विस्तार किसी लता की तरह होता है। गोल, पक्की तंदूरी के समान लाल रंग, सीधा साफ लम्बा और चिकना प्रवाल उत्तम होता है। यह शरीर को पुष्ट करने वाला वीर्यवर्धक तथा आखों की ज्योति बढ़ाने वाला होता हैं। यह पाण्डु ज्वर, कासश्वास तथा मेद को नष्ट करने वाला होता है। शुद्ध मूंगे से बना दंतमंजीन दातों को मजबूत, सफेद व चमकीला बनाता है। शुद्ध मूंगे को बारीक पीसकर कपड़े से छान लें और लगभग एक सप्ताह तक गुलाब जल में छांटने से मंजन तैयार हो जाता है। अमलतासा के फूल के रंग वाला, स्निग्ध, नर्म, निर्मल तथा स्थूल पुखराज सबसे अच्छा होता है। काले छेद वाला बेरंग तथा झाई तथा झाई वाला पुखराज दूषित होता है। सभी प्रकार के विषों के प्रभाव को दूर करने में पुखराज का प्रयोग बहुत प्रसिद्ध है। मंदाग्नि, कुष्ठ तथा बवासीर को भी पुखराज की सहायता से दूर किया जा सकता है। चमकदार पीला, चम्पा के फूल के रंग वाला भारी, चिकना, स्वच्छ श्वेत छाया तथा काली कांतिवाला वैदूर्य उत्तम होता है। वैदूर्य को कल्याणकारी माना जाता है। यह रक्तपित्त तथा गुल्म को दूर करता है। प्रत्येक रत्न का नौ ग्रहों से भी घनिष्ठ संबंध है जैसे माणिक सूर्य को, मूंगा चन्द्रमा को, मोती मंगल को, पन्ना बुध को पुखराज बृहस्पति को, हीरा शुक्र को, नीलम शनि को, गोमेद राहु को, बौर वैदूर्य या लहसुनिया केतु को शांत करता है। इन नवरत्नों को धारण करने से नव ग्रहों की शांति होती है, साथ ही इससे लगन, उत्साह और धैर्य बढ़ता है, दरिद्रता नष्ट होती है तथा दीर्घायु व आरोग्य की प्राप्ति होती है। आप अपनी बीमारी के लक्षणों के आधार पर इन रत्नों को हार, अंगूठी या ताबीज द्वारा धारण करके उसे दूर कर सकते हैं। ●●●

शुद्ध हीरा सभी रोगों का नाश करने वाला, वीर्यवर्धक तथा बलदायक होता है। अशुद्ध हीरा का प्रयोग कदापि न करें इससे कोढ़, पसली का दर्द, पाण्डु रोग, अपंगता आदि हो सकते हैं। हल्की आभामय लालिमा ही नीलम की विशेषता है। अलसी के फूल की तरह आभामान पानी में डालने पर पानी नीला नजर आए ऐसा नीलम सर्वश्रेष्ठ होता है। सेवन करने से (भस्म) नीलम, त्रिदोष, श्वास-कास रस वर्धक तथा वीर्यवर्धक है। गोमेद हिमालय और सिन्धु में प्राप्त होता है। भारी, चिकना चमकदार, अच्छे रंग वाला गोमेद सर्वश्रेष्ठ होता है।

गठिया: मोटे लोगों को अधिक सताता है

मोटापा बहुत से रोगों से जुड़ा हुआ है, जैसे हृदय रोग, मधुमेह, निद्रा कालीन श्वास समस्या, कई प्रकार के कैंसर और ऑस्टेयोआर्थ्राइटिस आदि का समस्याएं भी मोटापे के कारण उत्पन्न हो जाती है। लेकिन मोटापे से होने वाली सबसे बड़ी समस्या गठिया की होती है। गठिया एक ऐसा रोग है जिसमे हड्डियों के जोड़ो में दर्द होता है या फिर उनमें सुजन आ जाती है। यह रोग शरीर के जोड़ों में होता है जैसे पैर की उंगलियों के जोड़े, हाथ की उंगलियों के जोड़े इसके अलावा कलाई और घुटनों को भी यह रोग प्रभावित कर सकता है। अगर रोगी को गठिया का आक्रमण तेज होता है तो एक सप्ताह या उससे कुछ अधिक चलता है। इस दौरान रोगी को हल्का हल्का बुखार सा रहता है। रोगी की भोजन में अरुचि हो जाती है। रोगी को रोग का आक्रमण कई सप्ताहों या महीनों बाद दुबारा हो सकता है। इस रोग में जोड़ो में यूरिक अम्ल के रवा या क्रिस्टल बनते हैं तथा वे त्वचा के भीतर भी बनते हैं। गठिया के कारण यूरिक अलयुक्त गुर्दे की पथरी की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इसके कारण पेट में तेज पीड़ा होती है। इसके प्रभाव से गुर्दा ठीक से कार्य करना भी बंद कर सकता है जो की एक अत्यंत गम्भीर स्थिति है क्योंकि गुर्दे के ठीक से कार्य न करने के कारण रक्त में विषेले पदार्थ एकत्र होते रहते हैं। गठिया की खतरनाक अवस्था में शरीर की लाखों कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं जिसके कारण यूरिक अम्ल उतकों में प्रवेश कर जाता है। इस रोग का कारण अत्यधिक शराब पीना, प्रोटीन एवं शर्करा युक्त आहार अधिक खाना तथा व्यायाम न करना है। तनाव भी इस रोग का एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। अनुवांशिकता भी इस बीमारी का कारण हो सकता हैं। अगर वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो गठिया होने का मूल कारण जोड़ोंए त्वचा और गुर्दे में यूरिक अम्ल के रवे या क्रिस्टल बनना है। गठिया के रोगियों में सामान्य लोगों की तुलना में अधिक मात्रा में यूरिक एसिड बनता है। शरीर में यूरिक अम्ल अधिक मात्रा में होने के कारण यह रक्त में मिल जाता है और रक्त के माध्यम से इस रोग का आक्रमण तेज हो जाता है। मोटापा दुनिया भर में एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है और अब यह एक महामारी का आकार ले रही है। यह स्थिति अत्यधिक विकसित और विकासशील देशों में है। केवल अमेरिका में ही मोटापा आबादी की एक तिहाई लोगों को अपनी चपेट में ले चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि दुनिया भर में मोटापा से एक बिलियन लोग प्रभावित हैं। ऐसा मोटापा मापने का पैमाना बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के आधार पर कहा जा सकता है। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट हड्डी रोग एवं जोड़ें के प्रतिस्थापन सर्जन डॉ।राजू वैश्य का कहना है कि किसी व्यक्ति का वजन (किलोग्राम में) उसकी ऊंचाई (मीटर में) के साथ आंका जाता है। बीएमआई 30 के बाराबर या उससे अधिक होने की स्थित में मोटापा का प्रभाव होता है, जबकि यही बीएमआई 40 के बराबर या उससे अधिक होने की स्थिति में एक बीमारी का रूप होता है। डा।राजू वैश्य का कहना है कि गठिया समेत कई स्वास्थ्य समस्याओं का सीधा संबंध मोटापा से जुड़ा हुआ है। यह विशेष तौर पर घुटनों के पुराने आस्टियो आर्थराइटिस यानि गठिया को बुरी तरह से प्रभावित करता है, जिससे पीड़ित व्यक्ति असहज और जबरदस्त पीड़ा का अनुभव करता है। घुटनों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाने के पुख्ता सबूत शरीर का अत्यधिक वजन है। अधिकतर मोटे व्यक्ति घुटनों के गठिया रोग से ग्रसित रहते हैं, क्योंकि उनके घुटनों को अतिरिक्त मांसपेशियों का भार सहना पड़ता है, जिससे चिकिनी और मुलायम उपास्थि यानि कार्टिलेज का जोड़ प्रभावित हो जाता है। चलने के दौरान शरीर को एक बल से 3 से 6 गुना बार सहना पड़ता है। इसलिए एक आदर्श वजन के साथ अतिरिक्त वजन के बढ़ जाने से जोड़ पर असामान्य उच्च भार पड़ने लगता है और कार्टिलेज में सही तरह से काम करना बंद कर देती है। यही गठिया का कारण बनता है। हालांकि घुटने की पूर्ण अर्थ्रोप्लास्टी(टीकेए) करवाने वाले रोगियों में एक बड़ी सं?या मोटे और मोटापा से ग्रसित लोगों की है। 'मोटापे की महामारी' आने से घुटने के गठिया रोग में और ज्यादा वृद्धि होने की आशंका है, जिससे मोटे लोगों में टीएके की व्यापक बढ़ोत्तरी हो जाएगी। कई सर्जनों का विश्वास है कि अधिक वजन वाले शरीर में टीकेए के परिणाम कम आते हैं। जो घटकों में बढ़े तनाव और आसपास की हड्डियों पर बढने वाले भार के परिणाम के रूप में होता है। मोटापा ग्रसित रोगियों में टीकेए पेरी ऑपरेटिव के खतरे और प्रत्यारोपण के संदर्भ में कुछ विवाद को भी जन्म दिया है। कुछ अध्ययन के अनुसार बुरी तरह से मोटापे ग्रसित लोगों में प्रत्यारोपण की विफलताओं के जोखिम की जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं। लोगों में मोटापे संबंधी उच्च से निम्न स्तर के खतरे को बताने वाले बीएमआई में कोई निश्चित कट ऑफ नहीं होता है, हालांकि वजनी रोगियों में इसका खतरा ज्यादा होता है। फिर भी हमने देखा है कि मोटे लोगों में आपरेशन के बाद का अच्छे परिणाम कम आते हैं, ये रोगी टीकेए अपनाकर दर्द में काफी सुधार प्राप्त कर सकते हैं। जबकि मोटापा ग्रस्त रोगी के साथ घुटने में गठिया-प्रभावित दर्द से राहत की मिलने की प्रक्रिया से इनकार नहीं किया जा रहा है। ऐसे रोगियों के खतरे का परामर्श महत्वपूर्ण है, साथ ही एक मोटे रोगी के द्वारा स्वास्थ्य की देखभाल के सिलसिले में अतिरिक्त खर्च और सेवा जरूरी हो जाता है। अच्छे परिणामों और रोगियों की संतुष्टि (85 प्रतिशत) में पर्याप्त सुधार से पता चलता है कि बुरी तरह से मोटापाग्रस्त रोगियों में निश्चित रूप से टीकेए उपचार मिलनी चाहिए। इस वर्ग के रोगियों को तकनीक से फायदा होता है, जो एलाइनमेंट की सटीकता को बढ़ा सकती है। सभी मोटे (30 से अधिक बीएमआई) के लिए टीकेए के परिणामों में परस्पर विरोधी प्रदर्शन की समीक्षा की गई है। ●●●

अखरोट खाने से होता है कई रोगों के निवारण

जाजहिंदी, कवसिंग, अकोड, अक्षोट और चारमगज विभिन्न भाषाओं में अखरोट के ही नाम हैं यूग्लांदासी परिवार के सदस्य अखरोट का वानस्पतिक नाम यूग्लांस रेजिआ लिनिअस है। अखरोट एक पर्णपाती वृक्ष है जिसकी ऊंचाई लगभग 30-35 मीटर तक हो जाती है। इसके पत्ते 15 से 35 सेटीमीटर लंबे होते हैं। इसका फल कठोर, गुठलीदार होता है। ये दो प्रकार के होते हैं कागजी और कठोर। इसमें से कागजी अखरोट आसानी से टूट जाता है। इसमें सितम्बर-अक्टूबर में फल लगते हैं। रोपने के बाद इसके फल प्राप्त करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है इसमें 8-10 साल का समय लग जाता है। हमारे देश में अखरोट की सबसे ज्यादा पैदावार कश्मीर में होती है। यहां पैदा होने वाले अखरोट की किस्म भी सबसे अच्छी होती है। कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी अखरोट उगाया जाता है। अखरोट एक बहुउपयोगी वृक्ष है। यह खाने के लिए प्रयोग तो होता ही है। इसकी लकड़ी भी बहुत उपयोगी होती है। इसके लगभग सभी अंग औषधि के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार अखरोट के पत्ते स्तंभक बल देने वाले तथा कृमिनाशक होते हैं। इसका हरा छिलका सिफलिसरोधी तथा कफनिस्सारक होता है। इसका तेल मृदु विरेचक तथा उदर कृमिनाशक होता है। इसके अतिरिक्त अखरोट रस में मधुर, पुष्टिकारक, पित्तश्लेष्मा की वृद्धि करने वाला, बलवर्धक, ऊष्णवीर्य, सारक, शुक्रजनक, रूचिकारक, हृदय के लिए हितकर तथा क्षयरोग, रक्त विकार एवं दाह को शांत करने वाला होता है। इसकी गिरी बुद्धिवर्धक होती है। कब्ज दूर करने के लिए अखरोट के तेल को 20-40 मिलीलीटर दूध के साथ नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे खुल कर दस्त होता है और कब्ज की परेशानी दूर होती है। गले के घावों को दूर करने के लिए कच्चे अखरोट के सिरके या काढ़े से गरारे करने चाहिएं। नासूरों के इलाज के लिए अखरोट की गिरी को मोम या मीठे तेल में पकाकर नासूरों पर लगाना चाहिए। प्रमेह तथा मूत्र संस्थान के रोगों के लिए भी अखरोट बहुत लाभकारी है। इसके लिए 50 ग्राम अखरोट की गिरी में 40 ग्राम छुहारा तथा 10 ग्राम बिजौले की मींग मिलाकर घी में कूट लें और मिश्री मिलाएं। इस मिश्रण की 25 ग्राम मात्रा का नियमित सेवन करने से बहुत फायदा होता है। शरीर को शक्ति तथा स्फूर्ति देने के लिए भी अखरोट का प्रयोग किया जाता है इसके लिए अखरोट की गिरी में बराबर मात्रा में मुनक्का मिलाकर सेवन करना चाहिए। यदि चेहरा लकवा प्रभावित हो तो प्रभावित भाग पर अखरोट को लेप करके दशमूल या निर्गुडी के काढ़े की भाप लेने से लाभ होता है। स्तनपान कराने वाली माताओं या उन माताओं को जिन्हें दूध नहीं उतरता को गेहूं के आटे में अखरोट के पत्तों का चूर्ण मिलाकर दूध में गूंथ कर, गाय के घी में पूड़ियां तलकर खानी चाहिए। इससे दूध की मात्रा बढ़ जाती है। कुत्ते द्वारा काटे जाने पर, विष के प्रभाव को दूर करने के लिए 10 मिलीलीटर अखरोट के तेल को 50 मिलीलीटर गरम पानी में मिलाकर 6-6 घंटे के बाद रोगी को पिलाना चाहिए। मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने के लिए भी अखरोट को गुणकारी माना जाता है। इसके लिए प्रतिदिन 25 ग्राम अखरोट की गिरी का सेवन करना चाहिए। लेकिन चूंकि यह पचने में भारी होता है इसलिए इसका सेवन केवल सर्दियों में किया जाना चाहिए। दर्द या पीड़ा दूर करने के लिए प्रभावित स्थान पर अखरोट के कच्चे फल की ताजा गिरी का लेप करके गरम ईंट या बालू से सिंकाई करने पर पीड़ा दूर हो जाती है। मलय लोग पेटदर्द तथा पेचिश में विशेष रूप से अखरोट का सेवन करते हैं। इसका तेल उदस्थ कृमियों को भी नष्ट कर देता है। ●●●

कहानी

पासवाले घर की बहू

वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती. लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती, केवल खाने व चाय के लिए निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' बार-बार नाम लेकर पुकारने पर भी ऋषभ ने जवाब नहीं दिया। चाय ठंडी हुई जा रही थी, इसलिए विवश होकर मैं ही ऊपर पहुंच गई, जहां रिया अपनी छत पर खड़ी उससे बतिया रही थी। उनके प्रेमभरे 'गुटर गूं' में मेरे तीक्ष्ण स्वर ÷चाय पीनी है? ने विघ्न डाल दिया। रिया वहां से टली नहीं, मुस्कुराकर बोली, नमस्ते आंटीजी। मैंने अभिवादन का जवाब दिया और पैर पटकती नीचे उतर आई, बेशरम कहीं की, मां के सामने ही उसके बेटे से प्रेम की पींगें बढ़ा रही है, कोई लिहाज़-संकोच है ही नहीं। मां, कहां है मेरी चाय? नीचे आकर ऋ षभ ने पूछा। देख ऋषभ, अब तू बच्चा नहीं है, एक ज़िम्मेदार बैंक ऑफिसर है। छत के उस कोने में खड़े तुम दोनों क्या खुसुर-फुसुर करते रहते हो? बचपन में साथ खेलते थे, मैंने ध्यान नहीं दिया। बड़े हुए तो एक ही कॉलेज में थे, सो मैं चुप रही, लेकिन अब, अब क्या बातें होती हैं? मां, हमने बचपन से लेकर अब तक एक लंबा समय साथ में बिताया है, अब तो हमें एक-दूसरे से बात करने की आदत हो गई है। तुम व्यर्थ ही चिंता करती रहती हो। हमारे बीच ऐसा कुछ भी तो नहीं है। हम सिर्फ बात ही तो करते हैं। 'बात बढ़ते समय नहीं लगता। मेरी भृकुटी में बल पड़ रहे थे। अपने योग्य, सुंदर बेटे की पड़ोस की साधारण-सी रिया से नज़दीकियां मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रही थीं। ऋषभ के 'कुछ भी तो नहीं है' कहने पर भी मुझे विश्वास नहीं हुआ। रिया के बदले रुख पर मैं हैरान-परेशान रहती थी। आजकल आए दिन कभी पकौड़े की प्लेट, तो कभी अचार की शीशी लिए हाज़िर हो जाती थी। ऐसे ही एक दिन वो घर पर आ धमकी। उसे देख मैंने कहा, 'सूट तो बड़ा सुंदर है। इसे दिखाने आई थी या पकौड़े देने?' 'कुछ भी समझिए आंटीजी, वैसे कैसी लग रही हूं?' 'ठीक है।' मुझे कहना पड़ा, उसे देखकर ही मैं शंकाग्रस्त हो जाती। बचपन में दिन-रात साथ खेलते बच्चों को युवावस्था में अलग कर देना मुश्किल होता है। हम तीन बहनों की संतानों में ऋषभ इकलौता था। पति के खानदान में भी वह सबसे बड़ा और लाड़-प्यार से पला था। उसकी शादी को लेकर हम सबने बड़े सपने संजोए थे, किंतु हमारे सारे अरमानों पर पानी फिर गया। जल्दी ही ऋषभ ने रिया से विवाह की घोषणा करके हम सबको गहरा आघात दिया। हज़ारों कमानेवाले ऋषभ की अकेली विवाहिता बहन रागिनी ने इसका पुरज़ोर विरोध किया। मैंने तो घर छोड़कर जाने की धमकी तक दे डाली, पर ऋषभ प्रभावहीन रहा। बोला, 'आप घर छोड़कर क्यों जाएंगी? मैं ही अलग हो जाऊंगा। बस, रिया से शादी करवा दीजिए।' 'करवा दूंगी। सारे निर्णय तो खुद ले चुका है। शादी भी कर ले।' 'ठीक है, कोर्ट-मैरिज कर लेता हूं। मुझे तो आपके विरोध का कारण समझ नहीं आ रहा है। हमारी जाति की है, पढ़ी-लिखी, धनी परिवार की है और सबसे बड़ी बात मुझे पसंद है।' 'मैंने जैसी बहू की कल्पना की थी, वो वैसी नहीं है। सिर चढ़ी- नखरैल, पता नहीं क्या देखा तूने उसमें?' 'शादी तो मुझे करनी है, मुझे पसंद है वह।' 'भइया! आपको मम्मी से ऐसे बात नहीं करनी चाहिए।' 'तू चुप रह, मम्मी की चमची। अभी दो दिन में संदीप के पास चली जाएगी। तूने भी तो की थी अपनी पसंद से शादी, मैंने कोई विरोध किया था?' रागिनी चुप हो गई, उसने भी प्रेमविवाह किया था, लेकिन मैंने उसमें अपनी सहमति दी थी। मैं कुछ बोलती उससे पहले ऋषभ के पापा बोले, ऋषभ की शादी रिया के साथ ही होगी। जवान लड़का घर से चला जाए, यही चाहते हो क्या तुम लोग? यह सब मैं नहीं होने दूंगा। अब कोई एक शब्द नहीं बोलेगा। शादी की तैयारी करो। उसके बाद सबने चुप्पी साध ली। शादी, बारात तक मैं बिल्कुल शांत रही। मुंह दिखाई में पांच तोले का हार दिया, लेकिन यह देखकर मेरा मुंह उतर गया कि रिया के माता-पिता ने दान-दहेज काफ़ी कम दिया था। हालांकि बारातियों का स्वागत बढ़िया था। रिया की व्यक्तिगत सभी चीज़ें अच्छी क्वालिटी की थीं, पर हर पारंपरिक सास जैसे घर के अन्य सदस्यों व वर के लिए कीमती गिफ्ट व नक़द की अपेक्षा करती है, मैं भी कुछ उसी तरह की अपेक्षाएं पाले बैठी थी, पर ऋषभ के पिता का सख्त निर्देश था कि मुंह खोलकर कोई मांग नहीं की जाएगी। बहरहाल, रिया बहू बनकर हमारे घर आ गई। जब तक घर रिश्तेदारों से भरा था, मैंने उसे आराम करने दिया। वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती। लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती। केवल खाने व चाय के लिए बाहर निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' 'दादी ने फूफाजी के लिए भेजा है।' उन डिब्बों के स्वादिष्ट व्यंजनों से मुझे परहेज़ न था, लेकिन 'फूफा-बुआ मात्र' की भावना चुभ जाती। जिस दिन ऋषभ-रिया नैनिताल जा रहे थे, रिया ने आकर मुझसे कहा था, आप परेशान मत होइएगा, मेरी मम्मी ने रास्ते के लिए खाना बना दिया है।

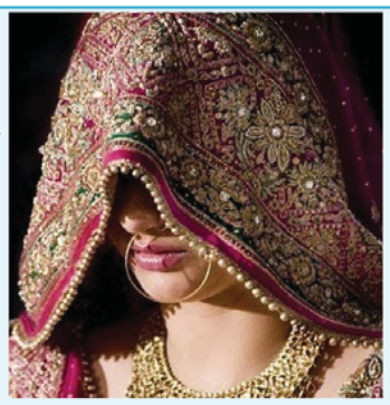

एक नजर...

दुल्हन के दरवाजे पर दो दूल्हे लेकर पहुंचे बारात

कन्नौज। यूपी में कन्नौज के ककलापुर गांव में एक लड़की की शादी में दो बारात आ गई। इससे वहां अजीबो गरीब हालात पैदा हो गए। बारातियों एवं जनातियों में इसे लेकर बहस हो गई। घटना की जानकारी पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। विवाह को बीच में ही रूकवा कर तीनों पक्षों को कोतवाली बुला लिया। करीब 10 घंटे की बहस के बाद लड़की की इच्छा से उसको प्रेमी के साथ भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि तिर्वा के ककलापुर गांव निवासी रामसेवक की पुत्री मोहनी(20) की शादी पास के ही सौरिख थाना क्षेत्र के फूलनपुर गांव निवासी पंकज पुत्र बबलू से तय हुई थी। गुरुवार को पंकज बारात लेकर उसके घर पहुंच गया। द्वारचार की रस्म के दौरान ही छिबरामऊ थाना क्षेत्र के हयातनगर निवासी राजाराम का पुत्र अजीत भी मोहनी से शादी करने के लिए बारात लेकर ककलापुर गांव आ पहुंचे। बताया जा रहा है कि अजीत और मोहिनी एक दूसरे को पसंद करते थे, लेकिन मोहिनी के परिजन दोनों की शादी के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे में पिता के तय रिश्ते के मुताबिक जब बारात पहुंचने की जानकारी अजीत को हुई तो वो खुद वहां अपने परिजनों के साथ पहुंच गया। इससे वहां हड़कम्प की स्थिति हो गई। लेकिन लड़की के पिता ने जेवरात कम लाने का बहाना बनाकर अजीत से शादी कराने से मना कर बारात वापस ले जाने को कह दिया। इसपर दोनों पक्षों में बहस हो गई। बहस को बढ़ता देख घटना की जानकारी तिर्वा कोतवाली पुलिस को दी गई। जानकारी पर पहुंची तिर्वा पुलिस ने विवाह को बीच में रूकवा दिया। तीनों पक्षों को थाने में लाकर बैठा दिया गया। शुक्रवार की दोपहर लड़की की स्वेच्छा पर अजीत के साथ उसको भेज दिया गया। जो बारात पहले आई थी, उसे बिन दुल्हन के ही लौटना पड़ा। तिर्वा कोतवाली प्रभारी ने बताया कि लड़की के बालिग होने के कारण उसको स्वेच्छा से भेज दिया गया है। विवाद को खत्म करवा दिया गया।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए यूपी तैयार

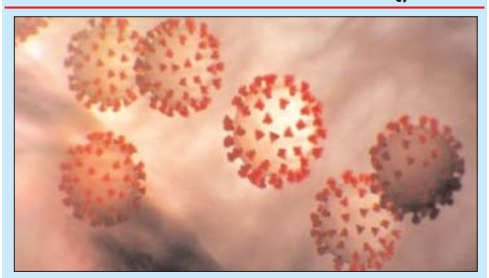

लखनऊ। कोरोना के दूसरी लहर से निपटने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार तीसरी लहर को रोकने की तैयारी में जुट गयी है. इसके लिए न केवल अस्पतालों में बेड बढ़ाए जा रहे हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा घर-घर निगरानी समिति भेजकर जांच कराई जा रही है. इसकी का नतीजा है कि दूसरी लहर पर काफी हद तक काबू पाने के बाद तीसरी लहर से निपटने के लिए यूपी पूरी तरह तैयार है. यह कहना है उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल का. अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल यह भी कहते हैं कि तीसरी लहर में बच्चों को चपेट में आने के अंदेशे को देखते हुए पूरे प्रदेश में बच्चों को समर्पित अस्पताल खोले जा रहे हैं. संक्रमण बच्चों को दिक्कत न हो इसके लिए हमारी पूरी टीम जी-जान से जुटी है.आईएएनएस से विशेष बातचीत में यूपी के वरिष्ठ आइएएस नवनीत सहगल ने बताया तीसरी लहर आने से पहले सरकार उसे रोकने की पूरी तैयारी में लगी है. इसके लिए हर जिले में महिलाओं और बच्चों के लिए डेडिकेटेड अस्पताल बनाए जा रहे हैं. हर जनपद में पीडियाट्रिक आईसीयू बनाए जा रहे हैं. सभी गांवों में 97 हजार निगरानी समिति भेजी गयी हैं जो घर-घर स्क्रीनिंग कर रही है. इसके लिए 10 लाख मेडिकल किट भी दी गयी है. मुख्यमंत्री के निदेशरें के आधार पर हर जगह बेडों की संख्या बढ़ रही है. मार्च से लेकर अब तक मेडिकल कालेज में 11 हजार से ज्यादा बेड बढ़ाए गए हैं. इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग ने 18 हजार से ज्यादा बेड बढ़ाए हैं. सीएचसी में आक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था हो रही है. यहां 21 हजार कंसंट्रेटर भेजे जा रहे हैं. 855 सीएचसी में करीब 20-20 की व्यवस्था होगी. हर सीएचसी में 20-20 ऑक्सीजन वाले बेड होंगे. राज्य सरकार की किसी भी स्थिति से निबटने की पूरी तैयारी है. स्टॉफ की भर्ती हो रही है. इस माह करीब 700 लोगो की भर्ती हो गयी है. उन्होंने बताया कि राज्य में वैक्सीन लगाने का कार्य बहुत तेज चल रहा है. अब तक 1,16,80,212 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है. पहली डोज वाले लोगों में से 32,66,076 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई. इस प्रकार कुल 1,49,46,288 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है. 18 से 44 वर्ष के आयुवर्ग के 48,340 लोगों को वैक्सीन लगायी गयी है. इस आयुवर्ग में अब तक 4,14,329 लोगों को पहली डोज लग चुकी है. यूपी ने वैक्सीन के लिए ग्लोबल टेंडर भी किया है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गांवों मे कोरोना का संक्रमण न फैले इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. यहां निगरानी समितियों के लोग गांव-गांव जा रहे हैं. लक्षण वाले व्यक्ति को पहचान कर तुरंत मेडिकल किट दी जा रही है. लक्षण ज्यादा होने पर आरआरटी की टीम (रैपिड रिपांस टीम) तुरंत एंटीजन टेस्ट भी कर रही है. संक्रमण कम होने के बावजूद घटते संक्रमण के अनुपात में मौतों की संख्या कम न होने की सवाल पर सहगल ने कहा कि ऐसा होने में हफ्ते, दस दिन का समय लगता है. आने वाले समय में मौतें भी घटेगी. पिछली बार की तुलना में सरकार से कहां चूक हो गयी जिसके कारण हालत बिगड़ने के सवाल पर सहगल ने कहा कि इस बार का संक्रमण 30 से 50 गुना ज्यादा है. उसकी शक्ति पिछली तुलना में अधिक है. इस बार का संक्रमण नौजवानों पर ज्यादा है. थोड़ा बुखार है ठीक हो जाएगा, ऐसी गलतफहमी नहीं होनी चाहिए. लोग ऐसा कर खुद को खतरे में न डालें इसके लिए लोगो को समय से अस्पताल जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. इसी कारण गांव-गांव टीमें जा रही है.

सीएम योगी की बड़ी घोषणा, कोविड से उबरे लोगों को मिलेगा मुफ्त इलाज

लखनऊ। यूपी में लॉकडाउन का असर देखा जा रहा है. कोरोना संक्रमण के मामलों में यहां लगातार कमी देखी जा रही है. वहीं कोविड से रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में तेजी के साथ बढ़ोत्तरी हो रही है. लॉकडाउन के प्रभाव को देखते हुए योगी सरकार ने कोरोना कर्फ्यू को एक हफ्ते के लिए और बढ़ा दिया है. अब पूरे प्रदेश में 24 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा. इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की है कि राज्य में ऐसे मरीजों का इलाज मुफ्त किया जाएगा. सरकार के इस आदेश का लाभ उन लोगों को मिलेगा जो कोविड के संक्रमण से उबर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें कुछ परेशानियां हैं. मुख्यमंत्री ने कहा है कि जो कोविड मरीज निगेटिव हो गए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें देखभाल की जरूरत है, तो उन्हें वही चिकित्सा सुविधा दी जाएगी, जो कोविड रोगियों को दी जा रही है. उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में कई मरीज जो कोविड से उबर चुके हैं, उन्हें अभी भी समय-समय पर निगरानी और चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है. कोविड के बाद की देखभाल और उपचार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि संक्रमण के दौरान. उनकी चिकित्सा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने पर स्थिति और आवश्यक देखभाल की तीव्रता के आधार पर ऐसे रोगियों को एल-1 अस्पताल में आवश्यक ऑक्सीजन की उपलब्धता के साथ एक बिस्तर सौंपा जाना चाहिए, जहां कोविड रोगियों की चिकित्सा देखभाल की जाती है. वहीं पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को राज्य के 75 जिलों में से प्रत्येक में एक पोस्ट-कोविड सुविधा शुरू करने और संचालित करने का निर्देश दिया था. ये अस्पताल उन रोगियों के लिए चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक उपचार के साथ-साथ चिकित्सा और फिजियोथेरेपी की पेशकश करेंगे, जो कोविड के बाद की जटिलताओं से पीड़ित हैं. उन्होंने कहा था कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें कोविड से उबरने वालों में से कई शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से रहे होते हैं. ऐसी पोस्ट-कोविड समस्याओं से निपटने के लिए, सभी 75 जिलों में कोविड के बाद के अस्पताल होने चाहिए, जहां लोग इलाज करवा सकें. इन केंद्रों पर मनोवैज्ञानिकों और फिजियोथेरेपिस्ट की भी तैनाती करें.

सीएम योगी को ना दिखे

कूड़े का ढेर तो सड़क के किनारे लगा दिए सफेद पर्दे

मेरठ । सीएम योगी इन दिनों जिलों का दौरा करके कोविड की जानकारी खुद ले रहे हैं। मरीजों को दवाओं की किट, गांव में साफ सफाई का हाल वे खुद ग्रामीणों से मिलकर पूछ रहे हैं। आज सीएम ने सहारनपुर और मुजफ्फरनगर का दौरा किया, इससे पहले कल वे मेरठ और नोएडा में लोगों से मिले थे। इस बीच मेरठ दौरे के दौरान अधिकारियों ने सीएम को सड़क के किनारे पड़े कूड़े का ढेर ना दिखाई दे इसलिए सफेद पर्दा लगा दिया। बता दें कि मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर जाहिदपुर गांव के पास कूड़े के ऊंचे-ऊंचे ढेर लगे हैं। यह शहर का सबसे बड़ा डंपिंग ग्राउंड है। यहां से उठने वाली दुर्गंध कई किलोमीटर दूर तक महसूस की जा सकती है। कोई सुनने वाला नहीं है। तमाम अफसर रोजाना इसके सामने से निकलते हैं। रविवार को जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ दौरे पर आए तो अफसरों ने इस कूड़े के ढेर को टेंट के पर्दों से ढंकवा दिया। सुबह से नगर निगम के निर्देश पर अफसर इस कूड़े को ढंकने में जुटे रहे, ताकि सीएम को यह गंदगी न दिखने पाए। इस ढेर के पास ही झुग्गी-झोंपड़ियों की बस्ती है। इस पूरी बस्ती को भी पर्दे लगाकर ढंक दिया गया। वहां पुलिस तैनात की गई थी, ताकि कोई बाहर नहीं निकल सके। दरअसल, बिजौली गांव जाने के लिए मुख्यमंत्री इसी रास्ते से गए थे।

सपा विधायक बोले, मुख्यमंत्री जी, तड़प-तड़पकर मर गए लोग–मेरठ के कमिश्नरी सभागार में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के अफसरों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा विधायक संगीत सोम क्वारंटाइन होने के कारण शामिल नहीं हो सके। अन्य पांच भाजपा विधायक और सांसद, राज्यसभा सांसद के साथ समाजवादी पार्टी के शहर विधायक रफीक अंसारी भी शामिल हुए। शहर विधायक रफीक अंसारी ने कहा कि मेरठ की स्थिति अच्छी नहीं है मुख्यमंत्री जी। लोग तड़प-तड़प कर मर गए। अस्पतालों में आज भी मनमानी हो रही है। गरीबों को बेड और ऑक्सीजन कुछ नहीं मिल रहा। मुख्यमंत्री ने बारी-बारी से सभी जनप्रतिनिधियों से जिले के हालात के बारे में जानकारी ली। भाजपा के सभी विधायकों और सांसदों ने जिले में सब कुछ अच्छा चल रहा है कहा। राज्यसभा सांसद कांता कर्दम ने मेडिकल में व्यवस्था सुधारने की बात कही। मेडिकल में महिलाओं के लिए अलग से कोविड वार्ड बनवाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने जब सपा विधायक रफीक अंसारी से जिले के हालात की जानकारी ली तो उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़े और हकीकत में बहुत ज्यादा अंतर है। हजारों की तादाद में मौतें हो चुकी हैं। किसी को बेड नहीं मिला तो किसी को ऑक्सीजन नहीं मिली। किसी को दवाई नहीं मिली तो किसी ने रास्ते में दम तोड़ दिया और देहात क्षेत्र में हो रही मौतों की तो कोई संख्या ही नहीं है। ना कोई टेस्टिंग हो रही है और अगर टेस्टिंग कहीं हो भी रही है तो उसका रिजल्ट पांच से छह दिन बाद आ रहा है। इन सब बातों को मुख्यमंत्री ने अपनी डायरी में नोट किया और जिले के अफसरों को टेस्टिंग बढ़ाने और टेस्टिंग की रिपोर्ट अगले दिन देने के आदेश दिए।

क्या सीएम योगी को मेरठ में बुजुर्ग ने चरपाई लगा कर गली में आने से रोका

मेरठ। सीएम योगी इन दिनों पश्चिमी यूपी के दौरे पर हैं। कल वह मेरठ और नोएडा गए थे, आज सहारनपुर और मुजफ्फरनगर की समीक्षा कर रहे हैं। रविवार को उनके मेरठ दौरे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि एक बुजुर्ग उनको चरपाई लगाकर गली में आने से रोक रहा है। मेरठ पुलिस ने इस मामले में जांच-पड़ताल शुरू करते हुए इसको गलत बताया है। वायरल वीडियो में एक गली के बाहर चारपाई खड़ी है। इसके एक ओर मुख्यमंत्री और दूसरी ओर बुजर्ग खड़े हैं। वीडियो को विपक्षी दल के कई नेताओं ने वैरीफाइड हैंडल से ट्वीट किया है। मेरठ एसएसपी अजय साहनी ने बताया कि मुख्यमंत्री

पैदल जिस गली में गए, वह कंटेनमेंट जोन है। कंटेनमेंट जोन से लोग बाहर न निकलें, इसलिए पुलिस ने खुद चारपाई खड़ी की थी। वीडियो में जो बुजुर्ग दिख रहे हैं, मुख्यमंत्री ने उनसे हाल-चाल पूछा। मुख्यमंत्री खुद पैदल चलकर इस गली तक आए। वीडियो में साफ दिख रहा है कि लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जयकारे लगा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि वहां कुछ नहीं हुआ। एसएसपी ने कहा कि वीडियो को गलत तरीके से वायरल किया जा रहा है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं उत्तर प्रदेश के सूचना विभाग की फैक्ट चेक टीम ने ट्वीट कर इस वीडियो के बारे में सच्चाई बताई है। टीम का कहना है कि बिजौली के कंटेंनमेंट जोन में कोविड मरीजों का कुशलक्षेम लेने गए थे जहां बुजुर्ग ने कोरोना प्रबंधन को लेकर उनकी प्रशंसा की और समर्थन में नारे लगाए।

मास्क न पहनने पर कटा चालान तो पुलिस से भिड़े सपा विधायक इरफान सोलंकी, समर्थकों ने किया हंगामा

कानपुर। कोरोना वायरस महामारी के चलते उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन लगा है और कोविड प्रोटोकॉल का पालन न करने वालों पर लगातार कार्रवाई भी जा रही है. मास्क न पहनने पर लोगों का चालान किया जा रहा है. लेकिन इस चालान को लेकर कानपुर में जमकर हंगामा मच गया. समाजवादी पार्टी के विधायक और कानपुर पुलिस के बीच झगड़ा हो गया. सपा विधायक इरफान सोलंकी और पुलिस में सड़क पर काफी देर तक नोंकझोंक होती रही तो इस बीच नेता के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की है. उधर, कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने विधायक को नसीहत देते हुए चालान करने वाले पुलिसकर्मियों को इनाम दिया है. दरअसल, कानपुर के दलेल पुरवा चौराहे पर पुलिस ने बिना मास्क के चालान काट किया. जिससे सपा विधायक इरफान सोलंकी गुस्से में आए और पुलिस से जा भिड़े. काफी देर तक विधायक और पुलिस के बीच कहासुनी हुई. इस बाद सपा विधायक इरफान सोलंकी ने समर्थकों के साथ जमकर हंगामा किया. विवाद इतना बढ़ गया कि विधायक और पुलिस कर्मियों के बीच हाथापाई भी हुई. पुलिस से झड़प के बाद सपा विधायक के समर्थन में सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट भी किए जा रहे हैं. पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगा शहर में बड़े आंदेलन की धमकी दी जा रही है.

पिता ने बेटे-बहू और नाती के खिलाफ क्यों किया मुकदमा ?

सुलतानपुर। सुलतानपुर के लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के राम जनक मिश्रा का खाता कस्बे में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में है। आरोप है कि राम जनक मिश्रा चेक बुक के लिए अप्लाई किए थे, उनका लड़का अनिल मिश्रा जो शिक्षक पद पर तैनात है पोस्टमैन से बात करके उससे चेक प्राप्त कर लिया। बिना राम जनक की जानकारी के चेक पर फर्जी हस्ताक्षर करके तीन बार में दो लाख दस हजार रुपए खाते से निकाल लिया। राम जनक ने बताया कि पहली बार स्वयं उसने एक लाख रुपया दूसरी बार पत्नी को भेजकर एक लाख रुपए तथा तीसरी बार अपने पुत्र को भेजकर दस हजार रुपए खाते से निकाल लिया। खाते से पैसा निकल जाने की जानकारी जब श्री मिश्रा को हुई तो वह बैंक जाकर जांच करवाए, तब जाकर उनको इस बात की जानकारी हुई। उन्होंने तत्काल शेष चेक के भुगतान पर बैंक में प्रार्थना पत्र देकर रोक लगवा दी और अपने पुत्र व उसकी पत्नी तथा उसके पुत्र के ऊपर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। कोतवाल सुनील कुमार पांडे ने बताया कि पीड़ित श्री मिश्रा की तहरीर पर उनके पुत्र अनिल मिश्रा, पत्नी दीक्षा मिश्रा तथा प्रपौत्र अनुराग मिश्रा के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

कोरोना को हरा चुके एक और मरीज की ब्लैक फंगस से मौत

लखनऊ। लखनऊ में ब्लैक फंगस और हमलावर हो रहा है। कोरोना को हरा चुके मरीज तेजी से फंगस की गिरफ्त में आ रहे हैं। 24 घंटे के भीतर एक और मरीज की ब्लैक फंगस ने जान ले ली है। चार दिन में चार मरीजों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं लखनऊ में ब्लैक फंगस पीड़ितों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। लखनऊ स्थित सहारा स्टेट निवासी 58 वर्षीय पुरुष कोरोना की चपेट में आ गए थे। वायरस को तो उन्होंने हरा दिया। उन्हें पोस्ट कोविड दिक्कतें शुरू हो गईं। इसी दौरान उनके चेहरे और आंख के बीच में सूजन आने लगी। 10 मई को परिवारीजन मरीज को लेकर फैजाबाद रोड स्थित चन्दन अस्पताल में लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने ब्लैक फंगस की आशंका में सीटी स्कैन, एमआरआई व दूसरी जांच कराई। जांच में ब्लैक फंगस की पुष्टि हुई। मरीज की जान बचाने के लिए डॉक्टरों ने कड़ी मेहनत की। छह दिन चले इलाज के दौरान मरीज ब्लैक फंगस से लड़ाई हार गया। 16 मई को मरीज की सांसें थम गई।

राजधानी में रहने वाले पहले मरीज की ब्लैक फंगस से मौत हुई है। चन्दन अस्पताल प्रशासन का कहना है कि ब्लैक फंगस पीड़ितों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। रोजाना तीन से चार मरीज आ रहे हैं। कई मरीजों इमरजेंसी ओपीडी स्तर से इलाज मुहैया कराया जा रहा है। अस्पताल के आलोक सिंह के मुताबिक पिछले सप्ताह से अब तक ब्लैक फंगस पीड़ित 10 मरीजों के सफल ऑपरेशन किए जा चुके हैं। इसमें आंख व चेहरे समेत दूसरे अंगों में फैले ब्लैक फंगस का ऑपरेशन किया जा चुका है।

तेजी से बढ़ रहे फंगस के मरीज–कोरोना की दूसरी लहर से भले ही थोड़ी राहत मिल रही हो, लेकिन ब्लैक फंगस ने चिंता बढ़ा दी है। लगातार ब्लैक फंगस के मरीज बढ़ रहे हैं। केजीएमयू में 24 घंटे के दौरान ब्लैक फंगस पीड़ित नौ मरीजों को भर्ती कराया गया। प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक ब्लैक फंगस पीड़ितों को अलग वार्ड में भर्ती किया जा रहा है। जरूरी दवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। मौजूदा समय में 22 मरीज भर्ती हैं। सभी की तबीयत स्थिर बनी हुई है। लोहिया संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह के मुताबिक ब्लैक फंगस पीड़ित तीन मरीज भर्ती हैं। सभी को इलाज मुहैया कराया जा रहा है। सिप्स हॉस्पिटल में पांच मरीजों को इलाज मुहैया कराया जा रहा है। इसमें दो मरीज भर्ती हैं।

गांवों में कोरोना व फंगस संक्रमण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना और ब्लैक फंगस की बीमारी से लोगों की रोज ही जानें जाने लगी हैं, इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार हैं। गांवों में कोरोना या ब्लैक फंगस संक्रमण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है। न बड़े पैमाने पर टेस्टिंग हो रही है, न दवाएं है। सबसे दुःखद और शर्मनाक तो यह है कि

उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर पर्यटन मोड पर चल रही है।मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं है तब ऐसी अनियंत्रित अवस्था में मुख्यमंत्री की जिले की यात्राओं से कौन सा परिणाम आएगा? अखिलेश यादव ने सोमवार को जारी बयान में कह कि क्या यह सच्चाई नहीं है कि उत्तर प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य ढांचा है वह समाजवादी सरकार में ही निर्मित हुआ है। भाजपा सरकार ने चार वर्ष में किसी अस्पताल की नींव तक नहीं रखी। भाजपा तो रायबरेली-गोरखपुर में एम्स चालू नहीं कर पायी। अवध शिल्पग्राम और हज हाउस आज कोविड इलाज में काम आ रहे हैं, इनका निर्माण भी समाजवादी सरकार के समय ही हुआ था। गांवों में दिन पर दिन हालत बिगड़ते जा रहे हैं। राज्य के एक लाख गांवों में 70 प्रतिशत आबादी है। पहले दूसरे राज्यों में प्रचार के बहाने अब जिलों-जिलों में दौरा। मुख्यमंत्री जहां जाते हैं अस्पतालों में मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर डाक्टर-अधिकारी उनकी आवभगत में लग जाते हैं। आदेश-निर्देश से क्या हासिल होना है। राज्य में काम बंद, रास्ता बंद। सरकार छलावा के धंधे से अपना काम चला रही है। इस भाजपा का ऐसा कलियुगी राज है जिसमें न जीते जी इलाज मिल रहा है और नहीं मरने के बाद सम्मान से अंतिम संस्कार ही हो पा रहा है।

यूपी में 4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

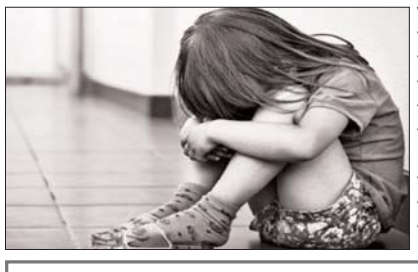

लखनऊ। बांदा जिले में एक शादी समारोह के दौरान चार साल की बच्ची का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने कहा कि आरोपी उमेश निषाद को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया. उसपर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. उसपर पोक्सो अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया. खबरों के मुताबिक, उमेश लड़की को आपने साथ पास के जंगल में तब ले गया, जब उसके परिवार के सदस्य शादी समारोह में व्यस्त थे. पुलिस ने कहा कि उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसका गला घोंटने की कोशिश की. सर्किल ऑफिसर (सिटी) सत्य प्रकाश शर्मा ने कहा, बच्ची शनिवार रात जिले के जसपुरा थाना क्षेत्र के एक इलाके में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी. रविवार की तड़के वह लापता पाई गई. परिजनों द्वारा उसे खोजने पर वह पास के जंगल में बेहोशी की हालत में मिली. पीड़िता को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जबकि शादी में कुछ मेहमानों ने बच्ची को पीड़ित के साथ देखे जाने की पुष्टि की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

बिना दूल्हे के लड़की वालों के दरवाजे पर पहुंची बारात तो दूल्हे की जगह बारातियों में आए युवक से करा दी शादी

कानपुर। कोरोना महामारी के दौरान यूपी के कानपुर से एक अनोखी शादी का मामला सामने आया है। यहां रिश्ता तय होने के बाद बारात को लेकर दोनों ओर से जोर-जोर से तैयारियां चल रही थीं। शादी की तारीख भी आ गई। दूल्हे पक्ष के लोग बारात ले जाने की तैयारियां कर रहे थे। लड़की पक्ष वाले बारात के स्वागत की तैयारियां में जुटे थे। शाम होते-होते बारात दुल्हन लाने के लिए निकल पड़ी। नाचते-गाते बाराती लड़की पक्ष के द्वार पर पहुंच गए। लड़की पक्ष वालों ने बारातियों का स्वागत किया। इसी बीच अचानक ऐसा हुआ कि सभी देखकर सभी चौंक गए। दरअसल बारात तो आई थी, लेकिन बारातियों के साथ दूल्हा किसी को नहीं दिखाई दिया। इसको लेकर काफी हंगामा हो गया। लड़की पक्ष वालों ने बारात में आए बिचौलिए को पकड़ लिया। इसके बाद बिचौलिए ने

भाई को दूल्हा बनाकर मंडप में बिठा दिया और शादी करा दी गई। जानकारी के अनुसार कानपुर जिले के नर्वल रायपुर में रहने वाले एक परिवार ने बेटी की शादी पड़ोस के गांव पाल्हेपुर में तय की थी। बीती 13 मई को बारात आनी थी। बारात तो आई लेकिन बिना दूल्हे के। दुल्हन को जब दूल्हे के गायब होने की जानकारी हुई तो वह भी सन्ना रह गई। बाद में बेटी की बदनामी के डर से कन्या पक्ष के लोगों ने दूल्हे के पिता और बिचौलिया को पकड़ लिया। इस पर बिचौलिया ने आगे आकर भाई से शादी कराने का प्रस्ताव रख दिया। बदनामी के डर से लड़की पक्ष ने आनन-फानन में बिचौलिए के भाई को दूल्हे की जगह मंडप में बिठा दिया। इसके बाद द्वारचार की रस्मे अदा की गईं। जयमाल की रस्म भी अदा की गई। सात फेर भी शुरू हो गए, लेकिन दूल्हे का कहीं कोई पता नहीं चल पाया।

शादी के दिन दूल्हा गायब, परिवार में हड़कंप–कानपुर जिले के नर्वल के रायपुर गांव में शादी वाले दिन दूल्हा गायब हो जाने से परिवार में हड़कंप मच गया। नर्वल के रायपुर गांव निवासी युवक का विवाह पाल्हेपुर गांव में तय हुआ था। 13 मई को युवक की बारात जानी थी। पिता के अनुसार सुबह वह बेटे के साथ नौगवां गांव सैलून में कटिंग और शेविंग कराने के लिए गए थे, जहां पर वह पिता को बैठाकर कुछ सामान लेने जाने की बात कहकर निकल गया। काफी देर तक जब लड़का वापस नहीं लौटा तो पिता को चिंता हुई।

चार में सिर्फ एक सेंटर पर हुआ वैक्सीनेशन

कोर कमेटी की बैठक में कोविड अस्पतालों पर हुई समीक्षा

ललितपुर। अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कोविड 19 कोरकमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट पार्क में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथमविगत 24 घंटे के कोविड परिणामों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान अपरजिलाधिकारी लवकुश त्रिपाठी ने अवगत कराया कि जनपद में आरआरटीटी टीम कापरफॉर्मेंस ठीक नही है, इसमे सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक मेंप्लान्ट हैड भारत एक्सप्लोसवि लि0 ललितपुर द्वारा वर्तमान में व्याप्तवैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत जनपद ललितपुर मेंप्रभावित व्यक्तियों को स्वास्थ्य लाभ के उददेश्य से उनके उपयोगार्थ 100रुपये के 480 कफ सीरप मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध कराये गये हैं।वैक्सिनेशन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि आज 4 स्थानों में से 1 हीस्थान पर वैक्सिनेशन हुआ है, जहां 14 लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। इस परनिर्देश दिए गए कि ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा मुनादी करतेहुए लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करें। कोविड अस्पतालों की समीक्षाके दौरान बताया गया कि एल-1 अस्पताल में 7 एवं एल-2 अस्पताल में 29 मरीजभर्ती हैं। अस्पताल में पेयजल समस्या का सुधार कर लिया गया है। अस्पतालोंमें सफाई व्यवस्था ठीक है। डीएसओ पोर्टल की समीक्षा में बताया गया किपोर्टल पर आज तक कि फीडिंग करा दी गई है। इस पर निर्देश दिए गए कि पोर्टलपर फीडिंग अद्यतन रखी जाए। कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की समीक्षा में बताया गयाकि आज 1150 की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की गई है। इस पर निर्देश दिए गए किपोसिटिव मरीजों के सम्पर्क में आये अधिक से अधिक लोगों की कॉन्टेक्टट्रेसिंग की जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि बाहर से आने वालेप्रवासियों की रेलवे स्टेशन पर जांच की व्यवस्था की जाए, साथ ही यदिआइसोलेशन के जिन मरीजों के घर पर अलग शौचालय नहीं है, उन्हें कोविडअस्पताल भेजा जाए। इसके साथ ही पब्लिक अड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविडटीकाकरण के सम्बंध में जागरूकता फैलाई जाए। सैनेटाइजेशन की समीक्षा मेंबताया गया कि आज नगरीय क्षेत्र में ब्लीच एवं चुने के पाउडर का छिड़कावकराया गया है, साथ हो नगरीय एवं ग्रामीण इलाकों में सैनेटाइजेशन कराया जारहा है। एम्बुलेंस सेवा की समीक्षा में निर्देश दोए गए कि एम्बुलेंस केरिस्पांस टाइम में सुधार किया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारीडा.डी.के.गर्ग, परियोजना निदेशक बलिराम वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक,प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी डी एन सिंह, डीसी मनरेगा रविंद्रवीरयादव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, जिला पंचायत राज अधिकारी अवधेश कुमार,जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारीपुष्पा वर्मा, डा.जे.एस.बक्सी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं चिकित्सा विभागके अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

जिले के धाकड़ दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार प.गोपीकृष्ण तिवारी जी

को दैनिक सत्ता सरकार परिवार ने दी श्रदांजलि, युवा पत्रकारों के लिए यूनिवर्सिटी है पं. गोपीकृष्ण तिवारी का जीवनः राजीव बबेले, नौवीं पुण्यतिथि पर याद किए गए ललितपुर के दबंग पत्रकार पं. गोपीकृष्ण तिवारी

ललितपुर। जिले की पत्रकारिता के स्वर्ण युग साप्ताहिक ललित आवाज केसंपादक पंडित गोपी कृष्ण तिवारी की 9वीं पुण्य तिथि प्रेस क्लब द्वारामनाई गई। इस दौरान जिला अस्पताल में संचालित अन्नपूर्णा भोजनशाला मेंमरीजों और उनके तीमारदारों को भोजन कराया गया। कोविड प्रोटोकॉल और सोशलडिस्टेंसिंग का पालन करते हुए श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। सभाकी अध्यक्षता करते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजीव बबेले ने कहा कि स्व.तिवारी जी का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं न केवल पत्रकारिता केमाध्यम से बल्कि अपने सक्रिय सामाजिक जीवन के माध्यम से उन्होंने हमेशागरीब और दबे कुचले वर्ग के लिए आवाज उठाई। युवा पत्रकारों के लिए श्रीतिवारी का जीवन प्रेरणा स्रोत है। युवा पत्रकारों की लिए वह पत्रकारिताकी यूनिवर्सिटी थे। प्रेस क्लब उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू ने कहा कितिवारी जी अपने अखबार के माध्यम से हमेशा जनसरोकार के मुद्दे उठाते थे।यही

नहीं, जिन दबंगों के खिलाफ उस समय पुलिस भी कार्रवाई करने से डरतीथी, उन्हें भी बेखौफ होकर बेनकाब करते थे। उनकी लेखनी हमेशा भ्रष्ट अफसरऔर नेताओं के खिलाफ चलती थी। वहीं, समाज में सकारात्मक काम करने वालों कोभी उनकी कलम से सम्मान मिला। उन्होंने पत्रकारों से उनका अनुशरण करने कीअपील की। इस दौरान अजित जैन भारती, अजातशत्रु चौबे, रविशंकर सेन, संजयताम्रकार, संजू श्रोती, कुंदन पाल, अंकुर जैन, आशीष रिछारिया आदि मौजूदरहे। संचालन प्रेस क्लब महामंत्री अंतिम जैन ने तथा आभार व्यक्तकोषाध्यक्ष रमेश रायकवार ने किया।

मोहन सैनी बने सैनी ज्योति महासंघ राष्ट्रीय दल के प्रदेश अध्यक्ष

ललितपुर। सैनी ज्योति महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. बृजेश टिंकल सैनीने बताया सैनी ज्योति महासंघ संपूर्ण राष्ट्र में सैनी माली समाज कोआर्थिक सामाजिक मानसिक राजनीतिक शैक्षणिक एवं महिलाओं को सशक्तिकरण कीदिशा में कार्य करने वाला राष्ट्रीय संगठन है, जिसका विस्तार भारत केप्रत्येक राज्यों में सैनी समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को एक माला मेंपिरो कर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन विस्तार की इसी श्रंखलामें सैनी ज्योति महासंघ के संरक्षक मोती बाबा फुले एवं तारा चंद गहलोत केअनुमोदन पश्चात मोहन सैनी को उत्तर प्रदेश मैं सैनी ज्योति महासंघ प्रदेशअध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जा रहा है जिससे उत्तर प्रदेश में सैनीमाली समाज को संगठित कर एक नई ताकत के रूप में स्थापित किया जा सके औरसैनी माली समाज को आर्थिक सामाजिक मानसिक शैक्षणिक राजनीतिक रूप से मजबूतकर महिला सशक्तिकरण एवं समाज के बेरोजगारों को स्वरोजगार के माध्यम सेसुदृढ़ और स्वावलंबी बनाने का कार्य कर सकें संगठन आपके उज्जवल भविष्य कीकामना करता है।

बांसी में अज्ञात चोरों ने सूने मकान पर मौका पाकर लगाई सेंध

ललितपुर। बांसी-कस्बा बाँसी में चोरी की घटनाओ सिलसिला रुकने का नाम नहीले रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत रात्रि कस्बे के टंकीपुरामुहल्ले में स्वर्गीय मेहरवान सिंह (अध्यापक) के सूने पड़े घर में अज्ञातचोरों ने धावा बोल दिया। मैन गेट की कुंडी व अंदर के कमरे की कुंडीतोड़कर लाखो रुपये के कीमती जेवर व करीब 42500 रुपये नगद चुरा ले गए।गृहस्वामिनी अनीता देवी अपने बच्चों सहित दो दिन पहले ही ललितपुर गई हुईथी। कस्बे में चोरों ने बेखौफ होकर घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारीमिलते ही चौकी प्रभारी सतीश कुमार पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे एवंअज्ञात चोरों की तलाश में जुट गये।

कमजोर इम्युनिटी वालों को हो रहा म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण

ललितपुर। कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच कई लोग म्यूकोरमाइकोसिस नाम केफंगल इन्फेक्शन की चपेट में आ रहे हैं। यह दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जोकिसी व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर होता है। कोविड-19 औरडायबिटीज के मरीजों के लिए यह इन्फेक्शन और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकताहै। इस संक्रमण को ब्लैक फंगस के नाम से भी जाना जाता है।क्या है म्यूकोरमाइकोसिस?इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा जारी एडवाइजरी केअनुसार म्यूकोरमाइकोसिस फंगल इंफेक्शन है, जो शरीर में बहुत तेजी सेफैलता है। म्यूकोरमाइकोसिस इंफेक्शन नाक, आँख, दिमाग, फेफड़े या फिरस्किन पर भी हो सकता है। इस बीमारी में कई लोगों की आंखों की रोशनी तकचली जाती है, वहीं कुछ मरीजों के जबड़े और नाक की हड्डी गल जाती है।कोरोना के मरीजों को ज्यादा खतराम्यूकोरमाइकोसिस आम तौर पर उन लोगों को तेजी से अपना शिकार बनाता है जिनलोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। कोरोना के दौरान या फिरठीक हो चुके मरीजों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है, इसलिए वह आसानीसे इसकी चपेट में आ रहे हैं। खासतौर से कोरोना के जिन मरीजों को डायबिटीजहै। शुगर लेवल बढ़ जाने पर उनमें म्यूकोरमाइकोसिस खतरनाक रूप ले सकता है।यह संक्रमण सांस

यह एक दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जो कोरोना काल में ज्यादा हो रहा है, कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों में यह इन्फेक्शन देखने को मिल रहा है, डायबिटीज के मरीजों के लिए खतरनाक, शुगर लेवल नियंत्रित रखें

द्वारा नाक के जरिये व्यक्ति के अंदर चला जाता है, जिनलोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, उनको यह जकड़ लेता है।लक्षणनाक में दर्द हो, खून आए या नाक बंद हो जाए, नाक में सूजन आ जाए, दांत याजबड़े में दर्द हो या गिरने लगें, आंखों के सामने धुंधलापन आए या दर्दहो, बुखार हो, सीने में दर्द, बुखार, सिर दर्द, खांसी, सांस लेने मेंदिक्कत, खून की उल्टियाँ होना, कभी-कभी दिमाग पर भी असर होता है।किन रोगियों में ज्यादा पाया गया हैजिनका शुगर लेवल हमेशा ज्यादा रहता है, जिन रोगियों ने कोविड के दौरानज्यादा स्टेरॉइड लिया हो, काफी देर आईसीयू में रहे रोगी, ट्रांसप्लांट यावैंसर के रोगी।कैसे बचेंकिसी निर्माणाधीन इलाके में जाने पर मास्क पहनें, बगीचे में जाएं तो फुलआस्तीन शर्ट, पैंट व ग्लब्स पहनें, ब्लड ग्लूकोज स्तर को जांचते रहें औरइसे नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि हल्के लक्षण दिखनेपर जल्दी से डॉक्टर से संपर्क करें। कोविड के रोगियों में अगर बार-बारनाक बंद होती हो या नाक से पानी निकलता रहे, गालों पर काले या लाल चकत्तेदिखने लगें, चेहरे के एक तरफ सूजन हो या सुन्न पड़ जायें, दांतों और जबड़े में दर्द, कम दिखाई दे या सांस लेने में तकलीफ हो तो यह ब्लैक फंगसहो सकता है।

कोरोना कर्फ्यू को लेकर डीएम ने जारी की शासन की गाइड लाइन

ललितपुर। अपर मुख्य सचिव गृह (गोपन) अनुभाग-3 उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ केशासनादेश की जानकारी देते हुये जिला मजिस्ट्रेट अन्नावि दिनेश कुमार नेबताया कि प्रदेश में आंशिक कोरोना कर्फ्यू 24 मई 2021 की सुबह 07.00 बजेतक बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये है। शासनादेश के अनुपालन में कोरोनासंक्रमण की प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद में निम्नलिखित दिशा-निर्देशों काअनुपालन सुनिश्चित किया जाये। उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यमसे प्रदेश के बाहर कोई भी बस न भेजी जाये, जिससे कि संक्रमण पर प्रभावीकार्यवाही की जा सके। बसों में सोशल डिस्टेगि का पालन हो व सेनेटाइजरका प्रयोग एवं मास्क का प्रयोग अनिवार्य किया जाता है। आवश्यकदवा/सर्जिकल की दुकानें खुली रहेगी। उद्योग पूर्व आदेशों के अन्तर्गतखुले रहेगें। केवल दैनिक उपयोग की दुकान जैसे सब्जी, फल, दूध, किरानाइत्यादि की दुकानों को छोड़कर शेष दुकानें बन्द रहेगी। सब्जी मण्डी, फलमण्डी में भी सोशल डिस्टेसिंग का पालन, मास्क/ग्लब्स व सेनेटाइजर केउपयोग की अनिवार्यता रहेगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक प्रयोग करकोराना से बचाव के प्रति जागरूकता के सन्देश प्रसारित किया जायेगा।हाईरिस्क कैटेगरी यथा- 60 वर्ष से ऊपर अथवा 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चेअथवा गर्भवती महिलायें एवं एक से अधिक बीमारी से ग्रसित कम इम्यूनिटी केलोगों को बाहर जाने से प्रतिबन्धित किया जाता है। सामान्य जन से अपील हैकि अनावश्यक बाहर न निकलें एवं यदि निकलें तो मास्क अनिवार्य रूप सेपहनकर ही निकलेंगा। टीकाकरण का अभियान जनपद में यथावत चलता रहेगा, परन्तुसोशल डिस्टेसिंग व दो गज की दूरी व मास्क की अनिवार्यता टीकाकरण के समयआवश्यक होगी। निगरानी समितियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में जो भीव्यक्ति ग्राम के बाहर से आ रहे है, यदि होम क्वारन्टाइन की घर में जगहनहीं है, तो क्वारन्टाईन सेन्टर में रखा जायेगा। कन्टेनमेंट जोन मेंआवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य सभी कार्य सख्ती से बाधित रखे जायेंगा।प्रत्येक शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में फॉगिंग व सेनेटाइजेशन प्रतिदिन कियाजायेगा। बीज व खाद की दुकान, कोटे की उचित दर की दुकान व गेंहू क्रयकेन्द्र खुले रहेगें। कीटनाशक दवाओं की दुकानें तथा कृषि यन्त्रों सेसम्बन्धित दुकानें खुली रहेगी। किसी व्यक्ति द्वारा उपर्युक्त निर्देशोंका उल्लघंन किये जाने पर उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188एवं आपदा प्रबन्ध अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 के अन्तर्गत विधिककार्यवाही की जायेगी।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक घायल

ललितपुर। रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन से गिर कर एक युवक घायल हो गया।जिसमे युवक का हाथ उल्टा हाथ कट गया। जिसे रेलवे पुलिस के द्वारा जिलाचिकित्सालय ललितपुर में भर्ती कराया गया जहां युवक की हालत गम्भीर बताई गई और युवक को तुरंत मेडिकल कॉलेज झांसी रिफर कर दिया गया रेलवे पुलिस के द्वारा बताया गया कि यह युवक इसकी बैंक ललितपुर का कर्मचारी है। युवक कानाम चंद्रशेखर रावत उम्र 24 वर्ष बताई जा रही है। युवक ड्यूटी के लिएअपने घर से ललितपुर आ रहा था जहां ट्रेन में उसकी नींद लग गई और जल्दी-जल्दी में वह ललितपुर स्टेशन पर उतरने के लिए चलती ट्रेन से कूद गया जहां वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

तालबेहट पुलिस ने कार से बरामद 18 पेटी अवैध देशी शराब

ललितपुर। तालबेहट पुलिस ने सोमबार को मुखबिर की सूचना पर कार से तस्करीकर लायी जा रही 18 पेटी अवैध शराब बरामद की है। हालांकि मौके से बदमाशभागने में कामयाब हो गये। लेकिन पुलिस ने कार बरामद कर ली है। जानकारी देते हुये पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि एएसपी गिरजेशकुमार व सीओ तालबेहट केशवनाथ के निकट पर्यवेक्षण में अपराधों पर रोकलगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तालबेहट निरीक्षककामता प्रसाद, एसआई अजय यादव, एसआई सुरेश कुमार ने अपने हमराहियों के साथगश्त कर के समय मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही की है। उन्होंने बताया कितेरई फाटक के पास से पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मारूति कार एस एक्स लालरंग नं. एमपी 20 सी.ए. 7600 में झांसी की ओर से अवैध शराब लायी जा रहीथी। सूचना पर पुलिस ने जाल बिछा दिया, कुछ समय पश्चात लाल रंग की कार आतीदिखाई पड़ी। जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार लहराते हुयेबदमाश ललितपुर की ओर भाग निकली। पुलिस द्वारा पीछा किया गया, तो तेरईफाटक से 100 मीटर आगे कार डिवाइडर से टकराकर पलट गयी और कार में बैठाचालक अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। कार की तलाश लेने पर उसमें से 18पेटी में 765 क्वाटर अवैध देशी शराब के बरामद किये गये। यह शराब मध्यप्रदेश में निर्मित अंकित बतायी गयी है। पुलिस ने धारा 60/63 के तहतमामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भेदभावों से उपन्न, दुखों के सागर को अद्वैत की प्रेमिल वाणी ही सुखा सकती हैः प्रो.शर्मा

ललितपुर। आचार्य शंकराचार्य और आचार्य रामानुजाचार्य की जयंती पर आयोजितपरिचर्चा को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्यप्रो. भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि आठवीं-नौवीं शती में अवतरित अद्वैतवादके ध्वजवाहक आचार्य शंकर एवं ग्यारहवीं-बारहवीं शती के तत्वदर्शीविशिष्टाद्वैतवादी आचार्य रामानुज भारतीय दर्शन के दो नेत्र हैं, जिनकेविचारों पर समय की जंग नहीं लग सकती है। पूर्णतः अद्वैतवादी होने के कारणआचार्य शंकर का अखण्ड विश्वास मानव एकता और भाईचारे के प्रति था। वेभारतीय दर्शन के आचार्य और महान तत्वज्ञानी थे। उनका मानना था कि दुखोंके उफनते सागर को, मनुष्य में निहित बड़वाग्नि ही सुखा सकती है, क्योंकिमनुष्य ही अज्ञान के अंधकार को दूर करने वाला सूर्य स्वयं ही बन सकता है।मुझमें जातिगत भेद नहीं, मैं ही चिदानन्द स्वरूप शिव हूँ। ज्ञान कीप्राप्ति सिर्फ विचार से ही होगी, अन्य कोई साधन नहीं। मात्र 16 वर्षोंमें ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखकर आचार्य शंकर भ्रमण पर निकल पड़े। उनकेद्वारा देश की चारों दिशाओं में स्थापित तीर्थ वस्तुतः ज्ञान के पावरहाउस में जेनरेट होने वाली अक्षय ऊर्जा के उद्गम हैं, जो हमेशा भारत कीएकता को अक्षुण्य बनाये रखेंगे। कालांतर में विशिष्टाद्वैतवादी आचार्यरामानुज और आचार्य निम्बार्क ने रामोपासक एवं कृष्णोपासक सगुण भक्तिद्वारा शील, शक्ति और सौंदर्य का समावेश करके ज्ञान के विशुद्ध सोने मेंभक्ति की सुगन्ध भर दी। दोनों आचार्यों ने जन-जन में गोचर ब्रह्म केदर्शन करके, हमेशा-हमेशा के लिए तू-तू -मैं -मैं का खटराग बन्द करके सारीधरती को एक कुटुम्ब बना दिया।

सहायक महानिरीक्षक निबंधन झांसी के निधन पर शोक

ललितपुर। सहायक महानिरीक्षक निबंधन पी.पी.चौरसिया ने सोशल मीडिया के जरिएजानकारी देते हुये बताया है कि स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के उपमहानिरीक्षक निबंधन, झांसी मण्डल राजीव कुमार यादव का 17 मई 2021 को सुबहमें कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है। वह विगत कई दिनों से झांसी मेडीकलकालेज में कोरोना वायरस पॉजिटिव होने के कारण भर्ती थे। कार्यालय सहायकमहानिरीक्षक निबंधन ललितपुर में 17 मई 2021 को सहायक महानिरीक्षक निबंधनपृथ्वी पाल चौरसिया व उप निबंधक सदर अशोक कुमार व प्रभारी उप निबंधकमहरौनी गुलझारी लाल, मुख्य निबंधन लिपिक मोतीलाल व समस्त निबंधन परिवारकी उपस्थिति में सहायक महानिरीक्षक निबंधन प्रांगण में 02 मिनट का मौनधारण रखते हुये दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गयी एवं कार्यसे विरत रहने का प्रस्ताव पारित किया गया।

शादी के एक दिन बाद दूल्हे ने जहर खाकर की आत्महत्या

झांसी। अभी हाथों में लगी मेहंदी की सुर्खी कम भी नहीं हो पाई थी कि मांग का सिंदूर उजड़ गया। केवल एक दिन के लिए सुहाग का जोड़ा उसके नसीब में आया। एक पल में शादी की खुशियां और विवाहित जीवन के सभी सपने चकनाचूर हो गए। निवाड़ी के ग्राम झिंगोरा के युवक ने शादी के एक दिन बाद ही रविवार को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मध्य प्रदेश के निवाड़ी के ग्राम झिंगोरा में रहने वाले राधेलाल के छोटे बेटे उमेश प्रजापति (23) की शादी शुक्रवार को दतिया के ग्राम डोलिया में धूमधाम से हुई थी। विवाह की सभी रस्में पूरी होने के बाद शनिवार की सुबह वह बारात के साथ अपनी नई नवेली दुल्हन को लेकर अपने घर पहुंचा। पूरा दिन शादी के बाद की परंपराओं को पूरा करने में लग गया। उमेश निवाड़ी में ही एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। अगले दिन रविवार को सुबह तकरीबन 11 बजे उमेश ने घर में बताया कि उसे किसी काम से पेट्रोल पंप जाना है। ये कहकर वह घर से निकल गया। लेकिन, इसके बाद लौटकर नहीं आया। इसी दरम्यान सूचना मिली कि उमेश ने गांव में जहर खा लिया है। जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। परिजन उमेश को लेकर महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज पहुंचे, लेकिन यहां उसने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद उसका शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। इस घटना से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों के आंसू नहीं थम रहे हैं, जबकि नई दुल्हन अपनी सुधबुध खो बैठी है। जिस घर में ढोलक की थाप पर वैवाहिक गीत गूंजने थे, वहां चीखपुकार मची हुई है। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता पा रहे है।

मां, अब मैं लौटकर नहीं आऊंगा-झांसी। उमेश सुबह तकरीबन ग्यारह बजे घर से पेट्रोल पंप जान की बात कहकर गया था। उसके बाद वह लौटकर नहीं आया। दो घंटे बाद उसका मां के पास फोन आया था। उसने मां से कहा था कि अब तुम्हारा उमेश कभी लौटकर नहीं आएगा। मैं बहुत दूर जा रहा हूं, अपना ख्याल रखना। मां वती इससे पहले कि कुछ कह पाती उमेश ने फोन काट दिया। इसके बाद उसके जहर खाने की खबर आई।

पूरे परिवार की थी जिम्मेदारी-निवाड़ी के ग्राम झिंगोरा के रहने वाले राधेलाल के दो बेटों में उमेश छोटा था। पिता के पास कोई खास काम नहीं है, जबकि बड़ा भाई रवि भी बेरोजगार है। ऐसे में होश संभालते ही उमेश ने घर की जिम्मेदारी संभाल ली थी। पूरे परिवार का भरण - पोषण वहीं करता था। उमेश की पहचान जिंदादिल लोगों में थी। किसी ने भी नहीं सोचा था कि एक दिन आत्महत्या जैसा कदम उठाएगा।

आखिर शादी ही क्यों की?- जब आत्महत्या ही करनी थी तो शादी ही क्यों की? एक बच्ची की जिंदगी आखिर क्यों उजाड़ दी। ये कहना रहा ग्रामीणों का। लोग कहते हुए नजर आए कि जब रिश्ता मंजूर नहीं था तो पहले ही मना कर देना चाहिए था।

नियामक आयोग को भेजा सरचार्ज बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव खारिज हो : सुमित अग्रवाल

फेडरेशन ऑफ ऑल इण्डिया व्यापार मण्डल ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

ललितपुर। विद्युत कम्पनियों द्वारा निरंतर सरचार्ज बढ़ाने का जो प्रस्तावदिया गया है, उसे खारिज किये जाने की मांग को लेकर फेडरेशन ऑफ ऑल इण्डियाव्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश केमुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में इस प्रस्ताव सेव्यापारी समाज पर पडने् वाले गहरे प्रभाव के चलते उन्होंने इस प्रस्ताव कोत्वरित वापस लिया लॉकडाउन की अवधि में विद्युत बिल में मिनिमम चार्ज माफकिये जाने की मांग उठायी।ज्ञापन में उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी की वजह से पिछले करीब एकसाल से लॉकडाउन और तमाम तरह की पाबंदियां के चलते व्यापार और उद्योग-धंधेव आमजन सभी प्रभावित हैं। ऐसे में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आपदा मेंअबसर तलाश रही हैं। बिजली कंपनियों का नया प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोगको भेजा है, जिससे रेगुलरटी सरचार्ज लागू करने के प्रदेश के समस्त बिजलीउपभोक्ताओं पर 12 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बिल का भार बढ़ जाएगा। पहलेसे ही महंगाई से परेशान प्रदेश के उपभोक्ता आगे यह विद्युत कंपनियों कीबिल वृद्धि नहीं सहन कर सकते। फेम जिलाध्यक्ष सुमित अग्रवाल नेमुख्यमंत्री से आह्वान किया है कि विद्युत कंपनियां के इस तरह की किसी भीप्रस्ताव को आयोग द्वारा सिरे से खारिज कर कंपनियों पर विद्युत दरों कोकम करने का दबाव बनाया जाए, साथ ही लॉकडाउन अवधि के सभी मिनिनम चार्जबाले कमर्शियल बिलों को माफ किया जाए। ज्ञापन पर जिलाध्यक्ष सुमितअग्रवाल, अभय चौबे, दीपक जैन, आरिफ खान, प्रदीप साहू, इब्राहिम, फूलचंदराय, करीम राइन, जगदीश सेन, अमजद, निक्की जैन, शफीक बाबा, ब्रजेशताम्रकार, रोशन कुशवाहा, दीपक सोनी, विकास सोनी, कल्लू सिरोठिया, आनंदसोनी, मनीष सोनी, धर्मवीर आदि के दस्तखत सहमति से है।

तेन्दूपत्ता संग्राहक होंगे संबल योजना में शामिल: मुख्यमंत्री श्री चौहान

तेंदूपत्ता संग्राहकों को सिंगल क्लिक से अंतरित किए गए 191 करोड़ 45 लाख रूपए

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सभी तेन्दूपत्ता संग्राहकों को संबल योजना में सम्मिलित किया जाएगा। इससे संबल योजना के सभी लाभ और कठिनाई के समय परिवारों को मिलने वाली सहायता तेन्दूपत्ता संग्राहकों को भी उपलब्ध हो सकेगी। कोरोना के कठिन काल में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को जारी लाभांश का वितरण इन परिवारों के लिए राहत भरा होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान तेन्दूपत्ता प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) वितरण कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा निवास से संबोधित कर रहे थे। प्रदेश के 37 जिलों की 48 जिला यूनियनों को सिंगल क्लिक से 191 करोड़ 45 लाख रूपए की लाभांश राशि तेन्दूपत्ता संग्राहकों के खातों में सीधे जारी की गई। कार्यक्रम में वन मंत्री कुँवर विजय शाह और प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल भी शामिल हुए। कार्यक्रम से 48 जिला यूनियन के सदस्य ऑनलाइन जुड़े।

ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर की व्यवस्था के निर्देश-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल में तेंदूपत्ता के संग्रहण और तेंदूपत्ता जमा कराते समय कोरोना से बचाव की सावधानियाँ बरतना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संक्रमण के प्रति सजगता और बचाव के लिए ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन व्यक्तियों को सर्दी, खाँसी, जुकाम हैं, वे अपनी बीमारी नहीं छुपाएँ। किल कोरोना अभियान के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों को अपनी स्थिति की जानकारी दें। राज्य शासन ने ग्राम स्तर पर आयसोलेशन की व्यवस्था की है। जिन व्यक्तियों को इलाज की आवश्यकता होगी उनका निःशुल्क इलाज कराया जाएगा।

समितियों को जारी हुई राशि-कार्यक्रम में वर्ष 2017, 2018 व 2019 के तेंदूपत्ता संग्रहण के बोनस के रूप में 191 करोड़ 45 लाख रूपए का वितरण किया गया। वर्ष 2017 की 40 करोड़ 56 लाख लाभांश की राशि 26 जिला यूनियनों की 81 समितियों को, वर्ष 2018 की 44 करोड़ 34 लाख लाभांश की राशि 34 जिला यूनियनों की 161 समितियों को और वर्ष 2019 की 106 करोड़ 55 लाख लाभांश की राशि 42 जिला यूनियनों की 593 समितियों को जारी की गई। उच्चतम लाभांश वाले प्रथम तीन जिले उमरिया, सिंगरौली और सतना है।

कोरोना काल में सहायक होगी राशि- वन मंत्री श्री शाह-वन मंत्री कुँवर विजय शाह ने कहा कि तेन्दूपत्ता संग्राहकों के खातों में 191 करोड़ 45 लाख रूपए बोनस के साथ अगले 15 दिनों में कुल 650 करोड़ रूपए जारी किए जाएंगे। यह कोरोना की कठिन परिस्थितियों में इन परिवारों के लिए बड़ी सहायता होगी। वन मंत्री श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों और वनवासियों के कल्याण और सहायता के लिए चलाई जा रही योजनाएँ उनकी संवदेनशीलता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों से किया संवाद-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैतूल की सुश्री शांति यादव, छतरपुर के श्री रामकृपाल यादव, सिंगरौली के श्री लोकेश्वर बैगा, अनूपपुर के श्री वीर साय सहित विदिशा और सीहोर के तेंदूपत्ता संग्राहकों से संवाद भी किया।

दंदरौआ धाम के महंत श्री रामदास महाराज ने कोविड नियंत्रण के लिए

2 लाख रूपए की सहायता राशि भेंट की

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं मरीजों के उपचार में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिये शासकीय प्रयासों के साथ-साथ समाज भी आगे आया है। दंदरौआ धाम के महंत महामण्डलेश्वर श्री रामदास महाराज ने भी 2 लाख रूपए की राशि जयारोग्य चिकित्सालय समूह को भेंट की है। उक्त राशि से ऑक्सीजन सिलेण्डर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं अन्य संयंत्र खरीदे जायेंगे। ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिये जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की उपस्थिति में यह राशि प्रदान की गई। दंदरौआ धाम के महंत श्री रामदास महाराज ने पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह यादव के आग्रह पर 2 लाख रूपए की राशि सोमवार को जयारोग्य चिकित्सालय समूह के अस्पताल में पहुँचकर प्रदान की। इस मौके पर ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ श्री ए के दीक्षित, अधीक्षक जेएएच डॉ. आर के एस धाकड़ एवं चिकित्सकगण उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ धाम के महंत श्री रामदास महाराज द्वारा कोविड नियंत्रण के लिये जो सहयोग किया गया है उसके लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ समाज के सभी लोगों को आगे आकर सहभागी बनना चाहिए। कोरोना संकट से मुक्ति के लिये सभी का सहयोग अपेक्षित है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह भी कहा कि पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह यादव द्वारा भी अपनी पेंशन से एक लाख रूपए की राशि का जो सहयोग प्रदान किया गया है वह भी एक सराहनीय पहल है।

कोविड-19 में दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों की देखभाल हमारी जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड के संकट काल में हमारे कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जब हम लोगों से घरों में बने रहने की अपील कर रहे हैं, तब ये कर्मचारी भाई-बहन दिन-रात मैदान में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इन्हीं के प्रयासों से व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे में कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएँ भी हुई हैं। काम करते हुए हमारे कई कर्मचारी भाई-बहन कोविड-19 के दौरान हमसे बिछड़ गए, उनकी जीवन लीला समाप्त हो गई। उनके परिवारों की देखभाल और उनकी चिंता करना हमारी जवाबदारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए दो योजनाएँ बनाई जाएंगी। यह हैं मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना।

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना-

प्रभावित परिवारों को दी जाएगी अनुकम्पा नियुक्ति और आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना में समस्त नियमित स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आउटसोर्स के रूप में कार्यरत शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत इन सेवायुक्तों की कोविड संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र एक सदस्य को उसी प्रकार के नियोजन में अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि राज्य में कार्यरत समस्त, नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, अन्य शासकीय सेवक/सेवायुक्तों की कोविड-19 के कारण आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 5 लाख रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संकट की स्थिति में यह अनुग्रह राशि उनके परिवारों का संबल बनेगी। इस योजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार इत्यादि कर्मी भी सम्मिलित होंगे। अनुकम्पा नियुक्ति की योजना में आशा कार्यकर्ताओं के लिए भी अलग से योजना बनाई जा रही है ताकि इन परिवारों के जो आश्रित भाई-बहन हैं, उन्हें राहत मिल सके और उनकी आजीविका चलती रहे।

प्राइवेट एम्बूलेंस संचालन की निगरानी हेतु कलेक्टर ने गठित की कमेटी

ग्वालियर। परिवहन विभाग द्वारा प्राइवेट एम्बूलेंसों की दरें निर्धारित की गई हैं। जिले में प्राइवेट एम्बूलेंस संचालक कोविड-19 के मरीजों से निर्धारित दर पर ही किराया लें। अधिक किराया लेने की शिकायत मिलने पर एम्बूलेंस संचालक के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एम्बूलेंस के संचालन को व्यवस्थित करने हेतु एक कमेटी का गठन भी किया है। एम्बूलेंस संचालन के लिये गठित कमेटी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अध्यक्ष एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी समिति के पदेन सदस्य, जिला नोडल अधिकारी 108, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एवं एएसओ सीएमएचओ कार्यालय को सदस्य नियुक्त किया है। यह समिति नियमित एम्बूलेंस संचालकों पर निगरानी रखेगी और कोई भी अनियमितता पाई गई तो कार्रवाई हेतु अपर कलेक्टर ग्वालियर को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जनमित्र केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिए जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है। सभी कार्डधारियों को आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क उपचार मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जो लोग आयुष्मान कार्ड के लिये पात्रता रखते हैं उनके कार्ड बनाने का कार्य भी तत्परता से किया जाए। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को आकस्मिक कांचमिल कम्युनिटी हॉल स्थित जनमित्र केन्द्र क्र.-5 का निरीक्षण किया और केन्द्र पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को उक्त निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि जनमित्र केन्द्र पर स्थापित किए गए कोविड स्वास्थ्य केन्द्र पर भी जो लोग आएं उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया जाए। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य भी हो। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जनमित्र केन्द्र के माध्यम से टीकाकरण का कार्य भी किया जा रहा है उसे व्यवस्थित रूप से किया जाए। राशन वितरण के संबंध में भी जिन हितग्राहियों को जो अस्थायी पात्रता पर्ची प्रदान की जाना है उसे तत्परता से करें ताकि सरकार द्वारा जरूरतमंदों को जो पाँच माह का निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है वह समय पर मिल सके।

उद्यमिता विकास केन्द्र (सैडमैप) द्वारा निःशुल्क ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन 19 मई को

ग्वालियर। उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सैडमैप) ग्वालियर द्वारा जिले के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित कराने के लिए निःशुल्क ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन 19 मई को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जायेगा। इस वेबीनार में केन्द्र एवं राज्य शासन की स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी, जिले में संभावित उद्योग, सेवा क्षेत्र अंतर्गत स्थापित होने वाली इकाईयों की जानकारी एवं इकाई स्थापना की औद्योगिक प्रक्रिया की जानकारी आदि प्रदाय की जायेगी। बेवीनार में भाग लेने के लिए जिला समन्वयक सैडमैप श्री शिवप्रेम दोहरे के मोबाइल नम्बर 9826048906 पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। बेवीनार का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया जायेगा। जिसकी लिंक है।

एक नजर...

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जगतगुरु आदि शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण किया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर आज निवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। आदि शंकराचार्य भारत के महान दार्शनिक और धर्म प्रवर्तक थे। उन्होंने अद्वैत वेदांत को ठोस आधार प्रदान किया। भगवत गीता, उपनिषदों और वेदान्त सूत्रों पर लिखी उनकी टीकाऐं बहुत प्रसिद्ध हैं। आदि शंकराचार्य ने भारत के चार कोनों में चार मठों क्रमशः-बद्रिकाश्रम, श्रृंगेरी पीठ, द्वारिका पीठ और पुरी की स्थापना की। उनके विचारोपदेश आत्मा और परमात्मा की एक रूपता पर आधारित हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की फोन पर चर्चा प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से कराया अवगत

ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति के लिए माना आभार

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से फोन पर चर्चा कर प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि प्रदेश में स्थिति अब नियंत्रण में है। आज 5 हजार 921 पॉजिटिव केस आए हैं और 11 हजार 513 मरीज डिस्चार्ज हुए, प्रदेश का रिकवरी रेट 87 प्रतिशत है और मध्यप्रदेश में पॉजिटिविटी रेट 9 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया है।

प्रदेश में खोले जा रहे पोस्ट कोविड केयर सेंटर्स की दी जानकारी-प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में चल रहे किल कोरोना अभियान और वैक्सीनेशन की जानकारी दी। गाँव-गाँव में पंचायत स्तर तक क्राइसिस मैनेजमेंट टीम के गठन, प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू के सफल क्रियान्वयन की जानकारी से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री को मध्यप्रदेश में खोले जा रहे पोस्ट कोविड केयर सेंटर की जानकारी भी दी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आश्वस्त किया कि कोरोना बीमारी में केंद्र, मध्यप्रदेश की हर संभव सहायता करेगा।

ब्लैक फंगस के उपचार में हर संभव सहायता देगा केन्द्र-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ब्लैक फंगस बीमारी पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री जी को बताया कि ब्लैक फंगस उपचार के लिए मध्यप्रदेश के पाँच मेडिकल कॉलेज में विशेष वार्ड बनाए गए हैं और प्रदेश में ब्लैक फंगस के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश को ब्लैक फंगस बीमारी के उपचार में हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

ब्लैक फंगस के नियंत्रण, चिन्हांकन एवं प्रबंधन को सुनिश्चित करें - स्वास्थ्य आयुक्त सभी जिलों को निर्देश जारी

ग्वालियर। स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने कहा कि ब्लैक फंगस के संक्रमण से उत्पन्न लक्षणों का चिन्हांकन कर त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि समस्त कोविड संदिग्ध, पुष्ट रोगी और स्वस्थ हो चुके छुट्टी प्राप्त कोविड रोगियों में मधुमेह का उचित चिन्हांकन एवं नियंत्रण किया जाना होगा। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, प्रभारी कोविड अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाता को निर्देश दिये गये है कि ब्लैक फंगस से होने वाले रोगों के प्रति सजग रहकर रोगियों का उचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। राज्य शासन भी ब्लैक फंगस की रोकथाम के लिये गंभीरता से प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रतिदिन कोरोना समीक्षा में इसकी समीक्षा भी कर रहे है। राज्य शासन द्वारा ब्लैक फंगस संक्रमण के निःशुल्क उपचार के लिए प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा चिकित्सा महाविद्यालयों में ईकाइयों का गठन किया गया है। इनमें मेडिसन विभाग, नेत्र विभाग, न्यूरो सर्जरी एवं नाक, कान, गला विभाग के विशेषज्ञ शामिल हैं। स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने ब्लैक फंगस के संक्रमण को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के पुष्ट रोगी के साथ-साथ कोविड-19 के संदिग्ध रोगी एवं कोरोना से ठीक हो चुके व्यक्तियों में डायबिटीज की प्रतिदिन निगरानी रखी जाये एवं उस पर नियंत्रण किया जाये। जिन रोगियों को चिकित्सीय परामर्श अनुसार स्टेरॉयड दिया जा रहा है, उनमें रेंडम ब्लड शुगर स्तर की दैनिक निगरानी हर 8 घंटे के अंतराल पर सुनिश्चित की जाये। किसी भी स्थिति मे स्टेरॉयड एवं ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स का अनावश्यक अनुचित सेवन नहीं कराया जाये। ऑक्सीजन सपोर्टेड रोगियों के लिए ह्यूमिडिफायर बॉटल में स्टराइल अथवा डिस्टिल्ड वाटर का उपयोग किया जाये एवं नियमित रूप से पानी को बदलते रहें। मरीजों के लिये उपयोग होने वाला ऑक्सीजन मास्क, कैनुला को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाये। अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों में संक्रमण के नियंत्रण के लिए प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन किया जाये।

संकम्रण के लक्षण-ब्लैक फंगस संक्रमण की पहचान रोगियों के नाक, मुख और आँख से काले कण अथवा काला रिसाव होना, नाक बंद होना, नाक के आस-पास गालों की हड्डियों में दर्द, चेहरे में दर्द, लगातार सिर दर्द होना, जबड़े, दांत, आँख में दर्द, बुखार आना, शरीर में नील पड़ना, साँस लेने में परेशानी होना, सीने में दर्द, फेफड़ों में पानी आना, खून की उल्टी होना, मुँह से बदबू आना और मानसिक भ्रम जैसे लक्षणों से होती है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाकवि सूरदास जी के चित्र पर किया माल्यार्पण

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने महान कवि सूरदास जी की जयंती पर उनका स्मरण किया। आज निवास पर मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। सूरदास जी भक्तिकाल के महान कवि थे। भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक और बृजभाषा के श्रेष्ठ कवि महात्मा सूरदास हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। वे श्री वल्लभाचार्य के शिष्य थे। सूरसागर, सूरसारावली और साहित्य लहरी उनकी प्रमुख रचनाऐं हैं।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता
मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
WhatsaPP :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478